राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 12 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–168 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

डेब्यू फिल्म फ्लॉप होने पर छलका मानुषी का दर्द

2017 में मिस वर्ल्ड रह चुकीं मानुषी छिल्लर ने 2022 में आई फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से अपने करियर की शुरूआत की थी। हालांकि, 175 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर सिर्फ 68 करोड़ की कमाई की थी। साथ ही फिल्म को बड़े पर्दे पर बुरी तरह से क्रिटिसाइज किया गया था। अब हाल ही मानुषी ने फिल्म के बॉक्स-ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप होने को लेकर बात की। इंटरव्यू के दौरान मानुषी छिल्लर ने बताया कि पहली फिल्म फ्लॉप होने का असर उनके मन पर बहुत गहरा पड़ा। इसके बाद एक्ट्रेस बेहद उदास हो गई थीं। मानुषी ने कहा- अब तक सब कुछ मेरे हक में काम कर रहा था। इसलिए, जिंदगी से मुझे बहुत सी उम्मीदें थीं। मैंने फिल्म के लिए बहुत कड़ी मेहनत की थी, इसलिए जब फिल्म नहीं चली तो बहुत तकलीफ हुई। उन्होंने आगे कहा- मैंने सीखा कि इतने सारे लोग एक साथ आते हैं। सालों की कड़ी मेहनत के बाद एक फिल्म बनाती है। लेकिन यह उसका असर क्या होगा, यह तय नहीं होता। एक एक्टर के तौर पर आप केवल अपना बेस्ट दे सकते हैं, फिर भी इसका रिजल्ट क्या होगा आप यह डिसाइड नहीं कर सकते। यह मेरी

रौद्र रूप दिखा रहीं नदियां, भूस्खलन ने लील ली सात जिंदगियां, रास्ते बंद

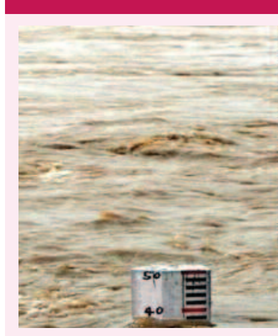

नई दिल्ली। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के बाद पहाड़ से लेकर मैदान तक कुदरत का कहर बरप रहा है। पहाड़ी इलाकों में नदी नाले उफान पर आए हैं। गंगा, अलकनंदा, काली और बीन नदी उफान पर हैं। वहीं, भूस्खलन ने कई जिंदगियां लील लीं। उत्तरकाशी में पांच, रुद्रप्रयाग में एक और विकासनगर में दो लोगों की भूस्खलन के चलते मौत हो गई। उधर, मैदानी इलाके बारिश के बाद जलमग्न हो गए हैं। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेशभर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। खासकर, कुमाऊं के जनपदों में भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। बुधवार को भी प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।भारी बारिश के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और पहाड़ी से पत्थर गिरने, स्लिप और कई जगह बरसाती गदेरों के सक्रिय होने के कारण सड़कें अवरुद्ध हो रही हैं। बीते 24 घंटे में कुल गंगोत्री-यमुनोत्री और बदरीनाथ-केदारनाथ हाईवे समेत 302 सड़कें बंद हुई हैं। देर रात गंगोत्री हाईवे बंद होने के कारण यात्रियों के वाहन गंगनानी के समीप खड़े थे। तभी अचानक भूस्खलन हो गया और पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा एक टेम्पो ट्रेवल्स सहित तीन वाहनों पर गिर गया। मलबे में तीन वाहन दब गए। जिसमें एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। बदरीनाथ हाईवे पर कंचन गंगा में पहाड़ी से मलबा व बोल्डर गिरने से सड़क बह गई। जिससे हाईवे बंद हो गया है। जिसके चलते बदरीनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालु को पुलिस प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया। कई घंटे की मशक्कत के बाद हाईवे खोला गया जिससे यात्रियों को निकाला गया। चीन सीमा क्षेत्र के जोशीमठ-मलारी हाईवे पर जुम्मा में पुल बह गया। जिस कारण सीमा क्षेत्र में स्थानीय लोगों के साथ ही सेना के जवानों की आवाजाही भी रुक गई है। साथ ही नीति घाटी का देश दुनिया से संपर्क टूट गया है। हरिद्वार में लगातार हो रही बारिश से अब गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। गंगा चेतावनी रेखा से महज 20 सेंटीमीटर नीचे बह रही है। डीएम ने गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी तट के आस-पास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए हैं। देहरादून शहर में दोपहर बाद हुई भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बारिश के कारण कई क्षेत्रों में सड़कें और चौक-चौराहे तालाब जैसे नजर आए। प्रेमनगर क्षेत्र में भारी मात्रा में पहाड़ी से पानी सड़क पर आ गया। जिससे लोगों में अफरा तफरी मच गई। कालसी क्षेत्र के कोटा-डिमोऊ में तुनिया के पास सड़क पर बोल्डर आने से वाहन उसकी चपेट में आ गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

बकरियों की मौत का बदला लेने के लिए ट्रेन पर किया पथराव, तीन गिरफ्तार

अयोध्या । रौनाही थाना क्षेत्र में मंगलवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया जिससे ट्रेन के शीशे टूट गए। हालांकि, किसी यात्री को चोट नहीं लगी है। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार होने वालों में पिता व दो पुत्र हैं। मामले में पूछताछ की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, रौनाही थाना क्षेत्र में सोहावल के पास कुछ लोगों ने वंदे भारत ट्रेन पर पथराव कर दिया जिससे ट्रेन में बैठे यात्री सहम गए। आरपीएफ ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी मुन्ना पासवान ने बताया कि उसकी छह बकरियां नौ जुलाई को इसी ट्रेन की चपेट में

आने से मर गई थीं। जिससे आक्रोशित होकर उसने अपने दोनों बेटों के साथ ट्रेन पर पथराव कर दिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पथराव में कोच सीएम वन में सीट संख्या 33, 34, कोच सी3 में 20, 21, 22, कोच सी5 में 10, 11, 12 और कोच ई1 में सीट संख्या 35 36 के पास के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। बता दें कि पत्थरबाजी की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले बीती 26 फरवरी को मैसूर चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी हुई थी। यह घटना कृष्णराजपुरम और बेंगलुरु छावनी रेलवे स्टेशन के बीच हुई थी।

यूपी कैबिनेट ने दी मंजूरी

ओबरा डी के नाम से 800 मेगावाट के लगेंगे दो पावर प्लांट, लोगों को मिलेगी सस्ती बिजली

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ के लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सोनभद्र में ओबरा डी नाम से 800 मेगावाट के दो पावर प्लांट लगाने का निर्णय लिया गया है जिसमें यूपी सरकार और एनटीपीसी की 50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी होगी। इस परियोजना का पहला यूनिट 50 महीने और दूसरा यूनिट 56 महीने में बनकर तैयार होगा। जिसमें कुल 17985 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बताया जा रहा है कि प्लांट लगने के बाद एक रुपये प्रति यूनिट सस्ती बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी। - कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि बैठक में रामपुर में रामपुर-शाहबाद-बाजपुर मार्ग पर कुल 57. 592 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण और सुंदरीकरण का

प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

- मां विध्यवासिनी कॉरिडोर में विस्तारीकरण, सुंदरीकरण योजना के तहत पार्सल 1, 2, 2अ 3, 3ए, 4, 5 में जनसुविधा के निर्माण के लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण एवं निर्मित भवनों के ध्वस्तीकरण, मलबा निस्तारण का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

- रानीपुर टाइगर रिजर्व चित्रकूट के निकट पर्यटन विकास के लिए भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

- भारत सरकार द्वारा ०मिशन वात्सल्य योजना (पूर्व नाम बाल संरक्षण योजना) की नवीन गाइडलाइन को अंगीकार करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।

गाजियाबाद एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

परिवार के 6 लोगों की मौत

मृतकों में 3 बच्चे, रॉन्ग साइड से आ रही स्कूल बस से टकराई कार

संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में दिन निकलते ही दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में टिहरी के पास रॉन्ग साइड दिल्ली की ओर आ रही स्कूल बस में टीयूवी कार सामने से भिड़ गई। टीयूवी कार में मेरठ के इंचोली के गांव धनपुर निवासी दो सगे भाई नरेंद्र वी धर्मेंद्र के परिवार सवार थे। हादसे में तीन बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा आर्यन व उसके पिता धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल है। जिनका उपचार नोएडा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।गांव धनपुर निवासी निवासी नरेंद्र धर्मेंद्र अपने परिवार के साथ खाटू श्याम जा रहे थे। गुरुग्राम से उन्हें अपनी बहन के परिवार को भी लेना था। सुबह करीब 6:00 बजे जैसे ही वे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में पहुंचे, इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार नोएडा नंबर की एक स्कूल बस में भीड़ गए। कार में नरेंद्र यादव(45), नरेंद्र की पत्नी अनिता(42), नरेंद्र का भाई धर्मेंद्र यादव(42), धर्मेंद्र की पत्नी बबिता(38), नरेंद्र का बेटा हिमांशु 12, नरेंद्र का बेटा कर्कित 15, धर्मेंद्र की बेटी वंशिका 7,

धर्मेंद्र का बेटा आर्यन 8 सवार थे। हादसे में नरेंद्र, नरेंद्र की पत्नी अनिता, धर्मेंद्र की पत्नी बबिता(38), नरेंद्र का बेटा हिमांशु 12, नरेंद्र का बेटा कर्कित 15, धर्मेंद्र की बेटी वंशिका 7 की मौके पर मौत हो गई। जबकि धर्मेंद्र और बेटा आर्यन 8 घायल हो गए। हादसा इतना दर्दनाक था कि बस में टक्कर लगने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार सभी लोग कार में फंस गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हुए। ऐसे में कटर मंगाकर कार के गेट काटकर शवों को बाहर निकाला और दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नोएडा नंबर की बस नोएडा के एक स्कूल की है। बस चालक प्रेमपाल अलीगढ़ का रहने वाला है। वह शराब के नशे में था। गाजीपुर से वह बस में सीएनजी भरवा कर नोएडा की ओर जा रहा था। पुलिस ने आरोपी प्रेमपाल को हिरासत में ले लिया है। परिजनों की तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुआ दर्दनाक हादसा एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इसका फुटेज वायरल हो रहा है। फुटेज में बस तेज रफ्तार में रॉन्ग साइड आती नजर आ रही है। एक दूसरे को बचाने के चक्कर में बस व कार आपस में भिड़ गई। टक्कर लगने के बाद दोनों बीच सड़क में आ गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर गाजियाबाद में एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे पर संवेदना जताते हुए हर पुलिस प्रशासन से हर संभव मदद करने निर्देश दिए हैं। शेरशाह रोड कट के पास सड़क धंसने से सी-हेक्सागोन इंडिया गेट पर यातायात प्रभावित है।

आर्थिक तंगी के चलते मां ने ही ले ली अपनी बेटियों की जान, खुद भी की आत्महत्या की कोशिश

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 43 वर्षीय महिला ने आर्थिक तंगी के कारण कथित तौर पर अपनी दो बेटियों की हत्या कर दी और फिर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि, महिला को उसके पड़ोसी ने बचा लिया। इस बात की जानकारी मंगलवार को पुलिस ने दी। घटना को लेकर पुलिस उपायुक्त पन्ना मोमाया ने कहा कि दक्षा चौहान ने सोमवार रात शहर के करेलीबाग इलाके में अपने किराए के फ्लैट में कथित तौर पर अपनी बेटियों को जहर दिया और फिर लड़कियों का गला घोंट दिया। इसके बाद महिला ने आत्महत्या करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि मृतकों में से एक लड़की कक्षा 9 में पढ़ती थी, जबकि दूसरी

ग्रेजुएशन कर रही थी। अधिकारी ने कहा, 'महिला तलाकशुदा थी और वह अपने पिता के साथ रह रही थी। वह 15 दिन पहले ही अपनी बेटियों के साथ करेलीबाग स्थित एक फ्लैट में शिफ्ट हुई थी। वह फ्लैट का किराया और बेटियों की स्कूल फीस भी जमा नहीं कर पा रही थी, जिसके चलते उसने अपनी बेटियों को जहर दे दिया।' पुलिस उपायुक्त ने कहा, 'महिला ने जब अपनी बेटियों को जहर दिया, तो उन पर जहर का असर नहीं हुआ।

महाराष्ट्रः उद्धव को बीजेपी नेता की धमकी

मुम्बई। भाजपा नेता चन्द्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को कहा कि अगर शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब) के नेता उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का अपमान करते रहेंगे तो इससे राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम ईंट का जवाब पत्थर से देंगे। आगे कुछ भी होगा तो भाजपा इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगी। बावनकुले ने कहा कि उद्धव ठाकरे का मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ गया है। उन्हें इलाज कराने की जरूरत है। भाजपा नेता ने सोमवार को उद्धव की तरफ से फडणवीस के लिए इस्तेमाल किए गए कलंक शब्द के लिए उनपर हमला किया। उन्होंने शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब) अध्यक्ष को दागी पूर्व मुख्यमंत्री बताया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने ठाकरे को फिर से फडणवीस का अपमान करने की चुनौती देते हुए कहा कि वह जहां भी जाएंगे उनका विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। बावनकुले ने 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे फडनवीस द्वारा किए गए कार्यों पर भी बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाकरे ने सीएम के रूप में राज्य के लिए कुछ नहीं किया।

जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग

हापुड़ । जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की टीम ने विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर रैली निकाली और जिला मुख्यालय पर धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र गुर्जर ने बताया कि अपने जिले सहित देशभर के जनसंख्या समाधान फाउंडेशन कार्यकर्ता अपने अपने जिलों से दो बच्चों के कानून की मांग के समर्थन में हस्ताक्षरित समर्थन पत्रक लेकर आगामी 22 सितंबर को दिल्ली गाजियाबाद बार्डर स्थित जनसंख्या समाधान फाउंडेशन कैंप पर एकत्रित होंगे। यहां से 23 सितंबर को सुबह नौ बजे प्रधानमंत्री कार्यालय दिल्ली की ओर रैली के रूप में कूच किया जाएगा। वहां प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने निर्णय लिया है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ करने पर सहमति न बनने की स्थिति में 23 सितंबर से ही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने का संगठन द्वारा निर्णय लिया गया है। फाउंडेशन हापुड़ के ज़िलाध्यक्ष सुन्दर कुमार आर्य ने बताया कि जनसंख्या समाधान फाउंडेशन जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर

पिछले 9 सालों से अधिक समय से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में देश भर के 23 राज्यों के 400 से अधिक ज़िलों में अभियान चला रहा है। इस अभियान को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन के मुख्य संरक्षक श्री इंदरेश कुमार एवं केन्द्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह सहित 125 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। ईश्वर कुमारी सिसोदिया ने बताया कि इस विषय में 9 अगस्त 2018 को भारत के राष्ट्रपति से संगठन एवं सांसदों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने भेंट करके उन्हें कानून की मांग के समर्थन में 125 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित संगठन का मांग पत्र सौंपकर सरकार द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया आरंभ करने का अनुरोध किया था। विजेंद्र कृपाल की अध्यक्षता में धरना का आयोजन किया गया। बाबूगढ़ नगर पंचायत के चेयरमैन पति राजीव कुमार, ज़िलाध्यक्ष शशि गोयल, पूर्व विधायक गजराज सिंह, सुधांशु गोयल, रवि भाटी, ओमप्रकाश, महेंद्र कुमार, विजय मित्तल अनिल गुप्ता, बिजेंद्र गर्ग, कटार सिंह, पायल गुप्ता, मालती भारती, विनीत दीवान, पवन आर्य,पवन हूण,महेश आर्य, मुनेश त्यागी, गुलशन त्यागी, योगेन्द्र तवर, सलेक कसाना, अलका निम, राजवीर भाटी सहित आदि मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तबाही की बारिश

उत्तर भारत समेत देश के अन्य भागों में अप्रत्याशित रूप से लगातार होती बारिश ने हा-हाकार मचाया है। बरसात के मौसम में बारिश और जलधाराओं में उफान आना सामान्य बात है। लेकिन इस बार की अतिवृष्टि ने बताया है कि मनुष्य शक्तिशाली होने का भले ही दंभ भरता रहे लेकिन कुदरत के रौद्र के सामने वह बौना ही है। जगह-जगह बादल फटने, नदियों में बाढ़, पानी रोकने में नाकाम बांध और भूस्खलन की घटनाओं ने लोगों में भय पैदा किया है। देश का जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है। पुलों के टूटने, बस्तियों में नौका चलाने, मकानों के भरभरा कर गिरने व कारों के बहने के वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों को दहशत से भर रहे हैं। कारोबार ठप हैं, स्कूल-कालेज बंद कर दिये गये हैं। फिर भी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। करीब तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। हिमाचल में बाढ़, बादल फटने, जलधाराओं में उफान व भूस्खलन में सत्रह लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। जलधाराओं में उफान से नदियों के किनारे स्थित सड़कों, मकानों, होटलों व हाईवे को नुकसान पहुंचना स्वाभाविक है। हिमाचल व उत्तराखंड में सैकड़ों सड़कें तबाह हुई हैं। विद्युत व्यवस्था ठप होने और यातायात बाधित होने की भी खबरें हैं। हिमाचल में रावी, व्यास, सतलुज, चिनाब आदि नदियों में उफान से संकट गहरा हो रहा है। हरियाणा में हथनीकुंड बैराज में जरूरत से ज्यादा पानी जमा होने से करीब दो लाख क्यूसिक पानी छोड़े जाने से दिल्ली पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में युद्ध स्तर पर बचाव के प्रयास किये जाने की जरूरत है। अभी भी रुक-रुक कर होने वाली बारिश को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में हालात चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। निस्संदेह, आज पूरी दुनिया में मौसम के चरम से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। मौसम की तल्खी को देखकर लगता है कि प्रकृति के खिलाफ मानव की क्रूरता का कुदरत बदला ले रही है। जलधाराओं के मार्ग में लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने नदियों के प्रवाह को आक्रामक बना दिया है। पहाड़ हमारी जरूरत हैं, हमारी प्राणवायु के संरक्षक हैं लेकिन वे सिर्फ इंसानी विलासिता और सैर-सपाटे के स्थान नहीं हैं। वे बड़ी विकास परियोजना व बड़े बांधों का बोझ उठाने लायक भी नहीं हैं। कहा जाता है कि बड़े बांधों के इलाकों में बादल फटने की घटनाएं बढ़ती हैं। इंसान ने विकास व पर्यटन तथा बस्तियों का जितना बोझ पहाड़ों पर लाद दिया है, वो इनकी क्षमता से अधिक है। पहाड़ों में विकास का आधार प्रकृति के साथ सामंजस्य होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर देश के महानगर व शहर अनियोजित विकास का त्रास झेल रहे हैं। थोड़ी सी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। बारिश के पानी के जो परंपरागत रास्ते थे, उन पर कब्जा करके हमने कंक्रीट के जंगल उगा दिये हैं।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

मानवीयता पर कलंक : करोड़पति भिखारी - मानसिक रोगी के लक्षण

(लेखक/ विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

मानव जीव जन्म से ही अपने पूर्व जन्मो के कर्मों के अनुसार जन्म लेता हैं, जैसे पूर्वजन्म कृत कर्मों का प्रभाव उस पर पड़ता हैं। इसके अलावा परिजन और परिवेश का प्रभाव भी पड़ता हैं। जिस प्रकार मनुष्य बीड़ी,सिगरेट, गांजा, अफीम, शराब का व्यसनी होकर उसी में मस्त रहता हैं उसी प्रकार किसी को खाने का शौक रहता हैं। खाना भी तामसिक,राजसिक और सात्विक होता हैं।

उक्त भिखारी तथाकथित मानसिक रोगी भी हो सकता हैं और कभी कभी अपनी आदतों के कारण बिना परिश्रम के आय का जरिया खोज लेता हैं और वह उसकी आदत बन जाती हैं। उसमे बिना रचानात्मक श्रम के खाना खाने के साथ दारिद्रता का दिखावा कर उसे लाभ मिलना शुरू होने से उसी में वह रच पच जाता हैं। वर्तमान में वह परिवार के साथ रहता हैं और उसने भिक्षावृत्ति से करोड़ों रुपयों का संचय कर घर बना लिया उसके बाद भी उसकी भिक्षावृत्ति करना यह निश्चित ही मानसिक रोग हैं। यदि मनुष्य जागरूक और चैतन्य हैं तो उसे धर्म को अंगीकार करना चाहिए, इसको ऐसा भी कह सकते हैं कि उसने पूर्व जन्म में किसी को कभी दान नहीं दिया होगा इसलिए उसे भीख मांगना पड़ रहा हैं। इसके साथ भिखारी हमारी परीक्षा लेता हैं किआप कितने दान देकर दयालु भाव रखते हैं। हमें भिखारियों पर दया आ सकती है या उनसे घृणा हो सकती है, लेकिन सच तो यह है कि भीख मांगना बहुत लाभदायक हो सकता है! भरत जैन भिखारी करोड़पति के उदाहरणों का हवाला देते हैं, और विश्लेषण करते हैं कि भीख मांगना भारतीय समाज का इतना अभिन्न अंग क्यों है। यह जान लो कि जो मनुष्य मुझे अपना धन दिखाता है, वह उस भिखारी के समान है जो मुझे अपनी गरीबी दिखाता है; वे दोनों मुझसे भिक्षा मांग रहे हैं, अमीर आदमी मेरी ईर्ष्या की भिक्षा के लिए, गरीब आदमी मेरे अपराध की भिक्षा के लिए। -बेन हेचट

पिछले कुछ समय से भीख मांगना एक कला बन गया है। एक बड़ी आबादी जो बिना काम किए पैसा कमाना और कमाना चाहती है, मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर आने वाले वर्षों में, विश्वविद्यालयों द्वारा भीख मांगने में एमबीए पाठ्यक्रम भी पेश किए जाएं!

भीख मांगना सबसे पुराना सार्वभौमिक पेशा है और भिखारियों का अस्तित्व दर्ज इतिहास की शुरुआत से भी पहले से है। इसे पैनहैंडल भी कहा गया है, शायद पैनहैंडल की तरह बाहर निकली हुई भुजा की धारणा से। यह दूसरों से अनुग्रह की याचना करने की प्रथा है, प्रायः धन, प्रत्युत्तर की बहुत कम या कोई अपेक्षा किए बिना।

सार्वजनिक स्थानों, परिवहन मार्गों, शहरी पार्कों, व्यस्त बाजारों के पास, कूड़े के ढेरों, सड़क के किनारों, ट्रैफिक लाइटों, फ्लाईओवरों के नीचे और जहां भी पर्यटक बहुतायत में हों, वहां जासूसी की गई; कमज़ोर, अपंग और मानसिक रूप से विकलांग, स्थान साझा करते हैं।

भिखारियों के पास आपके दिल की धड़कनें खींचने के अलग-अलग तरीके होते हैं। वे टैक्सी की खिड़कियों में झाँकते हैं, बिस्तर पर लटके हुए, थके हुए, और जब उनकी हथेलियों पर कुछ सिक्के गिर जाते हैं तो वे अचानक मुस्कुराने लगते हैं, शायद झुंझलाहट के कारण या दया की क्षणिक चमक के कारण। अक्सर काफी दृढ़ रहने के कारण, वे उत्तर के रूप में नहीं नहीं लेते। वे, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, बहुत धोखेबाज़ हो सकते हैं।

एक लाभदायक व्यवसाय

मोटे अनुमान के अनुसार भारत में भिखारियों की संख्या लगभग पाँच लाख है, इस तथ्य के बावजूद कि अधिकांश राज्यों में भीख माँगना अपराध है। 2016 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 54व पर, भारत में सबसे अधिक बहुआयामी गरीबी है, जिसका कारण अत्यधिक गरीबी, ग्रामीण गांवों से संकटपूर्ण प्रवासन, रोजगार की अनुपलब्धता, शारीरिक विकलांगता, मानसिक बीमारी और नशीली दवाओं की लत है।

मानव तस्करी कार्टेल द्वारा नियंत्रित करोड़ों रुपये का संगठित व्यवसाय, जो बच्चों का अपहरण और अपंग करने वाले डॉन द्वारा चलाया जाता है; एक अनुमान के अनुसार भारत भर में प्रतिदिन 300,000 बच्चों को नशीला पदार्थ दिया जाता है, पीटा जाता है और उनसे भीख मंगवाई जाती है। एक निश्चित क्षेत्र में भीख मांगने के विशेषाधिकार के लिए, प्रत्येक भिखारी अपना सामान गिरोह के सरगना को सौंप देता है, जो इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा रखता है।

मुंबई असत्यापित तीन लाख भिखारियों का घर है, जिनकी कीमत रु। सालाना 180 करोड़ का कारोबार। 39व भिखारियों का एक छोटा प्रतिशत किसी न किसी मानसिक बीमारी से भी पीड़ित है। जिन बच्चों को नशा होता है उन्हें किराए पर देना और लोगों को विशेष दुकानों से दूध पाउडर खरीदना, जो अधिक शुल्क लेते हैं, और अतिरिक्त को साझा करना, कुछ घोटाले हैं।

भारत में परंपरागत रूप से जरूरतमंदों को भिक्षा देना सामाजिक ताने-बाने में शामिल है। हम भिखारियों को नज़रअंदाज़ कर सकते हैं, लेकिन फिर भावना और संवेदनशीलता झकझोर देती है। क्या हम ज़मीन पर रेंग रहे एक लकवाग्रस्त व्यक्ति को नज़रअंदाज़ कर सकते हैं, या सड़कों पर लंगड़ाते हुए विकृत पैर वाले, या कुष्ठ रोग से पीड़ित एक बूढ़े व्यक्ति को, या ट्रेन में गा रहे एक अंधे व्यक्ति को सांत्वना नहीं दे सकते?

कानूनी पहलू

सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने या लोगों को आर्थिक या नैतिक कारणों से भीख मांगने के बजाय काम करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से, विभिन्न समयों पर और विभिन्न कारणों से भीख मांगने पर प्रतिबंध, निषेध या अपराधीकरण किया गया है, जैसे बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ बेगिंग एक्ट (बीपीबीए)। 1959)।

यह कानून पुलिस की सहायता से समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को भिखारियों को पकड़ने के लिए छापेमारी करने में सक्षम बनाता है, जिन पर वे बाद में भिखारी अदालत नामक विशेष अदालतों में मुकदमा चलाते हैं। यदि दोषी ठहराया जाता है, तो उन्हें हिरासत, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के लिए एक से दस साल तक की अवधि के लिए भिखारी गृह या सेवा कुटीर नामक प्रमाणित संस्थानों में भेजा जाता है। ऐसे भिखारी जिन्होंने वर्षों तक सड़क पर जीवन बिताया है, उन्हें सीमित, खराब रहने की जगहों में रहना बहुत मुश्किल लगता है।

यरवदा में बेगर्स रिसीविंग होम में बंदी नूतन ने जीवित रहने के लिए अपने आरामदायक क्षेत्र में लौटने के लिए 2,500 रुपये में एक वकील को काम पर रखा। वह झाड़ू और टोकरियाँ बनाने जैसे कौशल सीखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहती थी, जबकि वह भीख मांगकर अधिक कमा सकती थी।

दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है क्योंकि हमारे भिक्षावृत्ति कानून सदियों पुराने यूरोपीय आवारागर्दी कानूनों की नकल हैं, जो सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने के बजाय भिखारियों को आपराधिक रूप से जिम्मेदार बनाते हैं। एक राष्ट्र के रूप में भारत को एक व्यापक कार्यक्रम और मौजूदा कार्यक्रमों के पुनर्निर्देशन की आवश्यकता है। परोपकारी दृष्टिकोण का उपचारात्मक एवं पुनर्वासात्मक प्रतिस्थापन होना चाहिए।

विडंबना यह है कि बिहार के गया में मंगल बैंक है, जो भारत का पहला सहकारी बैंक है जो भिखारियों द्वारा चलाया जाता है, भिखारियों के लिए, और भिखारियों के लिए, जो जीवित रहने के लिए मां मंगलागौरी मंदिर से मिलने वाली भिक्षा पर निर्भर रहते हैं। वे एक खाता खोल सकते हैं और प्राप्त भिक्षा को बचा सकते हैं, ऋण प्राप्त कर सकते हैं और पहचान के उचित प्रमाण के बिना सहायता कर सकते हैं।

हम शायद इसे न पहचानें, लेकिन भिखारी अपना यातनापूर्ण जीवन जीकर, भावनात्मक रूप से खुद को हमारे समाज के अभिन्न अंग के रूप में जोड़ रहे हैं। उनकी एक पहचान होती है, जब हम उन्हें भिखारी कहते हैं। वे चोरी नहीं कर रहे हैं और न ही वे हमारी दया पर निर्भर हैं। एक विचारधारा का कहना है कि वे हमें दान में भाग लेने और हमारे दिल के कोमल कोने को छूने का मौका दे रहे हैं।

सरकार को सक्रिय रूप से नौकरियाँ पैदा करनी होंगी, बाल श्रम और दुर्व्यवहार के लिए कठोर दंड देना होगा और न केवल विकलांग भिखारियों का बल्कि सभी का पुनर्वास करना होगा। दान न देने के बारे में जागरूकता बढ़ाकर हम दीर्घकालिक समाधान के लिए प्रयास कर सकते हैं।

केस स्टडीज़ बहुत हैं!

आइए भारत में पेशेवर अमीर भिखारियों की कुछ नई नस्ल की सूची के साथ समाप्त करें, जिनके पास अपार्टमेंट, संपत्ति और एक बड़ा बैंक बैलेंस है, लेकिन फिर भी भीख मांगने से संतुष्ट हैं।

भारत के सबसे अमीर भिखारी भरत जैन (49) ज्यादातर मुंबई के परेल क्षेत्र में काम करते हैं। 70 लाख के दो अपार्टमेंट के मालिक, वह 10,000 मासिक किराए पर जूस की दुकान लेते हैं। प्रति माह लगभग 60,000 रुपये कमाते हुए, वह अपने पिता, पत्नी, भाई और दो स्कूली बेटों के साथ रहते हैं।

कृष्ण कुमार गीते मुंबई के चर्नी रोड के पास भीख मांगते हैं और उनके पास नालासोपारा में पांच लाख रुपये का एक फ्लैट है, जहां वह अपने भाई के साथ रहते हैं। पटना की सर्वतिया देवी इस देश की सबसे प्रसिद्ध महिला भिखारी हैं, जो सालाना बीमा प्रीमियम के रूप में 36,000 रुपये का भुगतान करती हैं और अपनी बेटी की शादी भी करती हैं। संभाजी काले, भीख मांगकर एक फ्लैट के मालिक हैं, उनके पास महाराष्ट्र के शोलापुर में दो व्यक्तिगत घर और जमीन का एक टुकड़ा है, और उन्होंने बैंक में भारी निवेश किया है।

मसू/मलाणा (60), सबसे बढ़िया है। बेदाग कपड़े पहनकर, वह मुंबई के हाई-एंड लोखंडवाला के लिए एक ऑटो-रिक्शा लेते हैं, जहां हर शाम बॉलीवुड का आना-जाना लगा रहता है। वह अपनी भिखारी पोशाक में बदल जाता है और अपने काम के घंटों के दौरान, क्षेत्र पर उसका पूरा दबदबा होता है, उसके आसपास कोई अन्य भिखारी नहीं होता है। वह रात 8 बजे से सुबह 3 बजे तक भीख मांगता है और घर वापस आने के लिए ऑटो लेता है। अकेले 30 लाख रुपये की संपत्ति के साथ, वह प्रति दिन 1,000 से 1,500 रुपये कमाते हैं। घर अंधेरी (पश्चिम) में अंबोली में एक बेडरूम का अपार्टमेंट है। उनके पास अंबोली में एक और ऐसा अपार्टमेंट है, जिसे उन्होंने 8,000 रुपये प्रति माह पर किराए पर दिया है।

घुमंतू समाज में शिक्षा की रोशनी फैलाता नौजवान

राजू केंद्रे, सामाजिक उद्यमी

सिर्फ पौराणिक कहानियां आने वाली पीढ़ियों को नहीं सौंपी जातीं, ऐतिहासिक और प्रामाणिक कथाएं भी उन्हें उसी महत्व के साथ सुनाई जानी चाहिए, क्योंकि ये कहानियां समान रूप से प्रेरित करने वाली हैं। इनमें से कुछ तो ऐसी जमीन से जन्म लेती हैं कि पाठक और श्रोता उनसे सीधे 'कनेक्ट' हो जाएं और ये वाकई बहुत मूल्यवान हैं, समाज के नजरिये से भी और इंसानियत के लिहाज से भी! जाहिर है, इनके किरदारों पर उनके देश को नाज होगा ही। राजू केंद्रे की कहानी ऐसी ही है। विदर्भ (महाराष्ट्र) इलाके के बुलढाणा जिले में खानाबदोश जनजातियों का एक गांव है पिंपरी खंडारे। आज से करीब 30 वर्ष पहले यहीं की एक घुमंतू जनजाति में राजू पैदा हुए। उनका पूरा नाम राजू जीजाबाई आत्माराम केंद्रे है। विदर्भ का पिछड़ापन और वहां के किसानों की दुर्दशा के बारे में तो देश-दुनिया दशकों से सुनती आई है, मगर घुमंतू जनजातियों के लोगों की जिंदगी के बारे में हम आज भी कम ही जानते हैं। अस्सी के दशक में राजू के माता-पिता जब सात और नौ साल के थे, तभी उनकी शादी कर दी गई। मां को पढ़ने की बड़ी इच्छा थी, पर उस समाज में ऐसी चाहतों की कोई कीमत न थी। ऐसा नहीं कि स्कूल न थे; वे थे, मगर लड़कियों को उनके जरिये बेहतर कल के सपने देखने की छूट नहीं थी। यह फांस राजू की मां के मन बनी रही। राजू के पिता को भी गरीबी के कारण चौथी कक्षा में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। इसलिए जब उनके बच्चे हुए, तो दोनों पति-पत्नी ने तय किया कि हम भले प्राथमिक शिक्षा से भी वंचित रहे, मगर अपने दोनों बेटों को किसी कीमत पर खूब पढ़ाएंगे।

दोनों बेटों ने उन्हें निराश नहीं किया। साल 2011 की बात है। 12वीं पास करके राजू गांव से चार सौ किलोमीटर दूर पुणे शहर पहुंचे। सपना आईएएस बनने का था, ताकि अपने जैसे हाशिये के लोगों की सेवा कर सकें। 18 साल की उम्र में राजू पहली बार ट्रेन में बैठे थे। बहुत खुश थे, लगा कि अब मंजिल मुट्ठी में आने को है, मगर गांव की सादा जिंदगी महानगर की चकाचौंध व काइयांपन देखकर बुरी तरह डर गई। आर्थिक दिक्कतें तो पहले से ही थीं, भाषा और संस्कृति संबंधी परेशानियों ने भी परीक्षा लेनी शुरू कर दी, लिहाजा बहुत मुश्किल से छह महीने निकल पाए। राजू ने पुणे छोड़ने का फैसला कर लिया। मगर शहर छोड़ने से पहले उन्होंने पुणे विश्वविद्यालय के कुलपति से आवेदन किया कि उन्हें दूरस्थ शिक्षा के तहत स्नातक करने की इजाजत दी जाए। कुलपति ने उनका अनुरोध मान लिया।

गांव लौटने पर राजू की दिलचस्पी पढ़ाई के साथ-साथ समाजसेवा में भी बढ़ने लगी। इसी क्रम में उन्हें अमरावती जिले में सक्रिय 'मैत्री' नामक एक स्वयंसेवी संस्था के बारे में पता चला, जो शिशु मृत्यु-दर और कुपोषण पर काम कर रही थी। बतौर वॉलंटीयर राजू न सिर्फ खुद इस संस्था से जुड़े, बल्कि देखते-देखते उन्होंने पूरे प्रदेश में हजारों स्वयंसेवकों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार कर दिया था। मगर घर के माली हालात अच्छे न थे। लिहाजा, उन्हें एक कॉल सेंटर में नौकरी करनी पड़ी। पर राजू का मन नहीं लगा। अपने समाज की सेवा करके जो सुकून मिला था, वह नौकरी में कहां मिलता?

अगले दो वर्ष में राजू कई स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े, और इसी दौरान उन्हें 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज' (टिस्स) के बारे में मालूम हुआ। वहां से समाज विज्ञान में मास्टर्स करने के दौरान उन्हें गांवों में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का मौका मिला। अपनी जनजाति से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले राजू पहले व्यक्ति हैं। उन्होंने गहराई से महसूस किया कि आदिवासी बच्चों की कितनी क्षमताएं यूं ही जाया हो रही हैं? सिर्फ इसलिए कि उनके पास कोई सही मंच नहीं। उनका 'मेंटोर' बनने को कोई तैयार नहीं? इसी बात ने राजू को 'एकलव्य' संस्था की नींव रखने के लिए प्रेरित किया।

इसके जरिये वह और उनके साथी वंचित जातियों-जनजातियों के ऐसे बच्चों की मदद करने में जुट गए, जो अपने परिवार या समाज से उच्च शिक्षा हासिल करने वाली पहली संतति हैं। दरअसल, गरीबी के अलावा मराठीभाषी होने के कारण इन जनजातीय बच्चों के अंदर शहराती दुनिया को लेकर कई तरह की आशंकाएं होती हैं, जो इन्हें उच्च शिक्षा की ओर बढ़ने से रोकती हैं। एकलव्य के तहत ऐसे बच्चों को न सिर्फ विभिन्न तरह की छात्रवृत्तियों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाने लगा, उन्हें राह दिखाई जाने लगी, बल्कि उनके भीतर अपनी भाषायी व सांस्कृतिक पहचान को लेकर जो हिचक थी, उसे दूर करने के लिए कार्यशालाएं भी लगाई जाने लगीं। नतीजा मिलने लगा। अब तक 700 से भी अधिक आदिवासी विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में दाखिला व फेलोशिप दिलाने में इस संस्था को कामयाबी मिली है। ये सब के सब बच्चे अपने परिवार या बिरादरी के पहले सदस्य हैं, जो इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

राजू केंद्रे के सपनों को 2021 में उस वक्त एक नई उड़ान मिली, जब ब्रिटिश सरकार ने करीब 50 लाख रुपये की प्रतिष्ठित 'शेवनिंग स्कॉलरशिप' के लिए उनका चयन किया, ताकि वह वहां के किसी भी विश्वविद्यालय से मास्टर्स की पढ़ाई कर सकें। पिछले साल ही वह लंदन की एओएएस यूनिवर्सिटी से अपनी डिग्री लेकर लौटे हैं। फोर्ब्स इंडिया ने तो उन्हें 30 साल से कम उम्र की 30 उदीयमान सामाजिक उद्यमियों में शुमार किया है। राजू की संस्था एकलव्य ने साल 2030 तक वंचित समुदाय के 20,000 बच्चों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा दिलाने का लक्ष्य तय किया है।

आज दिग्गज नेताओं को जब अपनी समाजसेवा का यकीन दिलाने के लिए बड़े-बड़े इश्तिहार देने पड़ते हैं, तब राजू केंद्रे जैसे लोग कितनी खामोशी से देश और इंसानियत की खिदमत करते जाते हैं?

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

पिछले 3 दशकों में सदन की घटती बैठकें

(लेखक - सनत जैन)

मध्यप्रदेश विधानसभा की 15 वीं विधानसभा का आखिरी सत्र मंगलवार से शुरू हो गया है। मात्र 5 दिनों मानसून सत्र आहूत किया गया है। जो पहले ही दिन हंगामें के कारण स्थ गित हो गया। पिछले 30 वर्षों में सबसे कम बैठकें इस वर्ष आयोजित की गई हैं। नियम के अनुसार 1 साल में 120 बैठकें आयोजित करने का नियम है। लेकिन आखिरी सत्र को मिलाकर मध्यप्रदेश विधानसभा की केवल 75 बैठकें ही आहूत की गई हैं। इसमें भी 45 दिन की बैठकों में हो-हल्ला और हंगामा होता रहा। मात्र 30 दिन ही प्रश्न उत्तर और बिलों पर चर्चा हुई है। 45 दिन कोई भी विधि -विधाई कार्य नहीं हुआ। यह हाल केवल मध्यप्रदेश का नहीं है। पिछले 30 वर्षों में विधानसभा और लोकसभा में बैठकों की संख्या मे निरंतर कमीहो रही है। पिछले 10 वर्षों में लोकसभा और राज्यसभा की बैठकें पिछले वर्षों की तुलना में बहुत कम हुई हैं। लोकसभा, राज्य सभा और विधान सभाओं में जिस तरीके से सदन के अंदर बैठकों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में हंगामे होते हैं। बिलों को जिस तरह बिना किसी विचार विमर्श के हो हल्ले के बीच सदन से पास करा लिया जाता है। सांसद और विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने का मौका भी सदन में नहीं मिलता है। प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर के जो नियम और कानून बनाए जा रहे हैं। उन पर भी निर्वाचित प्रतिनिधियों को ना तो अध्ययन करने और नाही विचार रखने का उन्हें मौका दिया जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंताजनक स्थिति है। कुछ वर्षों से यह कहा जाता है, कि सरकार की मंशा के अनुरूप लोकसभा अध्यक्ष हों,या विधानसभाओं के अध्यक्ष हों। वह सरकार की मंशा के अनुरूप सदन की बैठकें बुलाते हैं। जबकि लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है, कि सदस्यों को अपनी बात कहने का अवसर सदन में पर्याप्त रूप से मिले। जो भी बिल सदन में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उनमें पर्याप्त चर्चा हो। चर्चा के पश्चात ही बिलों को पारित किया जाए। इसके लिए बड़ी मोटी मोटी किताबों में संसद और विधानसभाओं ने अपने नियम भी बना रखे हैं। इन नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की ही होती है। लेकिन देखा जा रहा है, कि सत्ता पक्ष के दबाव में लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष अपने कर्तव्यों का निर्वहन वैसा नहीं कर पा रहे हैं, जैसा उन्हें करना चाहिए। लोकसभा और विधानसभा में जिस तरह से बिना चर्चा के कानून पारित किए जा रहे हैं। यह पूर्णता असंवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत हैं। यदि लोकसभा, विधानसभा और सरकार अपने ही बनाए गए नियमों का पालन नहीं करेगी। तो इस स्थिति में किस तरह से यह आशा की जा सकती है,कि विपक्षी दल और नागरिक नियमों और कानूनों का पालन करेंगे। नियम कानून और व्यवस्थाएं नैतिकता के आधार पर चलती हैं। डंडा मारकर नियम और कानून का पालन नहीं कराया जा सकता है। जिस तरह से सदन में बैठकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। नागरिकों के अधिकारों के हनन की बात,यदि हम छोड़ भी दें। विधायक और सांसद भी अपने अधिकारों की रक्षा सदन में नहीं कर पा रहे हैं। जिन नागरिकों ने उन्हें अपने अधिकार से निर्वाचित किया है। वह सदन में अपनी बात ही नहीं कह पाते हैं। सांसद और विधायक जो प्रश्न लगाते हैं। उन्हें तारांकित और अतारांकित प्रश्न के रूप में भी सदन में स्वीकार नहीं किया जाकर, चुनिंदा प्रश्नों और चुनिंदा विधायकों-सांसदों के प्रश्नों को कार्यवाही में शामिल किया जाता है। जिसके कारण निर्वाचित सदस्यों को अपने प्रश्न के उत्तर भी सरकार से नहीं मिलते हैं। जो निर्वाचित सदस्यों के मौलिक अधिकारों का हनन है। सदस्य संख्या के आधार पर लोकसभा सदस्य, विधान सभा के सदस्य अपनी बात सदन में रख पाएं। इसके लिए कभी भी कोई समय सारणी तैयार नहीं की गई है। यदि बैठक नहीं हो पाई है तो सदन की बैठकें आगे भी बढ़ाई जा सकती हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि लोकसभा अध्यक्ष ओर विधानसभा अध्यक्ष, हो हल्ले के बीच कानून बनाने की स्वीकृति सरकार को दे देते हैं।

जो पूर्णता अवैधानिक है। उसके बाद भी यह क्रम लगातार बढ़ता चला जा रहा है। लोकसभा और विधानसभा के अध्यक्ष अपने सांसदों और विधायकों के अधिकारों को संरक्षण कर सकते हैं। संविधान ने उन्हें पूरी शक्तियां दी हैं। लेकिन वह अपनी शक्ति का पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के हस्तक्षेप की जरूरत महसूस की जा रही है। सदन में जो भी नियम और कानून तैयार किए जा रहे हैं। यदि उन पर चर्चा नहीं हुई, ऐसे नियम और कानूनों को सदन की स्वीकृति ना मिले।

सुपरटेक ग्रुप के चेयरमैन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

- मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने सुपरटेक ग्रुप के चेयरमैन आरके अरोड़ा को रिमांड पर भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरोड़ा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। अरोड़ा को ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स में पेश किया गया। जांच एजेंसी ने हाल ही में इस मामले में अरोड़ा की 40 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने के बाद 27 जून को अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया था कि अरोड़ा को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। ईडी के एक सूत्र ने कहा` कि वह लगातार तीन दिनों से ईडी मुख्यालय आ रहे थे। मंगलवार 27 जून को हमने आखिरकार उन्हें गिरफ्तार कर लिया। संघीय एजेंसी की ओर से पेश होते हुए विशेष लोक अभियोजक एनके मट्टा ने अदालत को अवगत कराया था कि कंपनी और उसके निदेशकों ने रियल एस्टेट परियोजनाओं में बुक किए गए फ्लैटों के बदले संभावित घर खरीदारों से अग्रिम धनराशि एकत्र करके लोगों को धोखा देने की आपराधिक साजिश रची थी। मट्टा ने कहा था कि कंपनी समय पर फ्लैटों का कब्जा प्रदान करने के सहमत दायित्व का पालन करने में विफल रही और आम जनता को धोखा दिया। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई प्राथमिकियों से उपजा है।

ओला ने प्रीमियम सर्विस प्राइम प्लस लांच की

नई दिल्ली । कैब सर्विसेज देने वाली कंपनी ओला ने बेंगलुरु में अपनी प्राइम प्लस प्रीमियम सर्विसेज को लांच कर दिया है। लांचिंग के पहले कंपनी ने इस साल मई में परीक्षण प्रकिया को पूरा किया। कंपनी ने कहा कि ओला किसी भी कैंसिलेशन या ऑपरेशनल संबंधी परेशानियों को खत्म कर देगी। प्राइम प्लस सेवा मंगलवार से बेंगलुरु के सभी ग्राहकों के लिए शुरू कर दी गई है और इस महीने के दौरान अधिक शहरों में लांच की जाएगी। माडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ओला प्राइम प्लस सर्विस का किराया मिनी या प्राइम सेडान सर्विसेज से थोड़ा अधिक है। वहीं प्राइम प्लस में ओला ने केवल सेडान कारें शामिल की हैं। कैब कैंसिलेशन की बढ़ती शिकायतों के बाद ओला ने यह कदम उठाया है। कंपनी के अनुसार 2011 में सेवाएं शुरू करने वाली ओला दुनिया की कुछ मुनाफा कमाने वाली कस्टमर इंटरनेट कंपनियों में से एक है। ओला की कैब्स देश के 200 शहरों में है और इस प्लेटफॉर्म पर दस लाख से अधिक ड्राइवर हैं।

मिंडा को मिला 750 करोड़ का ईवी बैटरी चार्जर का ऑर्डर

नई दिल्ली । वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनी मिंडा कॉरपोरेशन को एक प्रमुख वाहन विनिर्माता से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी चार्जर बनाने का 750 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। मिंडा कॉरपोरेशन ने मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि इस उत्पाद का विनिर्माण पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी स्पार्क मिंडा ग्रीन मोबिलिटी सिस्टम्स के पुणे संयंत्र में किया जाएगा। मिंडा ने यह नहीं बताया है कि उसे यह ऑर्डर किस वाहन कंपनी से मिला है। मिंडा कॉरपोरेशन के एक अधिकारी ने कहा कि यह ऑर्डर स्पार्क मिंडा के ईवी उत्पाद पोर्टफोलियो के प्रति ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में उसे मिले कुल ऑर्डर में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी।

नई एमपीवी इनविक्टो को बाजार में पेश

-यह मारुति सुजुकी की है प्रीमियम एसयूवी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी ने हाल ही में अपनी नई एमपीवी इनविक्टो को बाजार में पेश किया है। यह कंपनी की प्रीमियम एसयूवी है जो अर्टिगा से ऊपर प्लेस की जाएगी। वर्तमान में टाटा मोटर्स का इंडिया के इलेक्ट्रिक मार्केट पर राज है। टाटा लंबे वक्त से इस सेगमेंट को लीड कर रही है। अब कंपनी आईसीई इंजन वाली कारों के बाद इलेक्ट्रिक कारों की मार्केट पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है। टाटा नेक्सॉन ईवी लॉन्च के बाद से ही इंडिया की नंबर 1 इलेक्ट्रिक एसयूवी बनी हुई है। टाटा टियागो का भी इलेक्ट्रिक मॉडल इंडिया में लॉन्च किया गया है जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। अब मारुति भी टाटा को टक्कर देने की तैयारी करने में जुट गई है।मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। मारुति ईवीएक्स के लिए मार्केट में काफी बज क्रिएट हो गया है। अब खबर आ रही है कि कंपनी एक या दो नहीं बल्कि इलेक्ट्रिक कारों की पूरी रेंज तैयार कर रही है। कंपनी अलग-अलग सेगमेंट में इन इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च किया जाएगा। इसमें वैगन आर का इलेक्ट्रिक वर्जन भी शामिल है। वैगन आर को भी टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है।

ईवीएक्स कॉन्सेप्ट को ऑटो एक्सपो 2023 में शोकेस किया था। इसे कंपनी मिडसाइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में लॉन्च करेगी। इस कार की टक्कर टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी400 से होने वाली है। यह कार 60केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आएगी। इसके अलावा यह कार 550 किमी की रेंज के साथ आने वाली है। मारुति के अलावा महिंद्रा भी इलेक्ट्रिक कारों की नई रेंज पर काम कर रहा है। इस वजह से अब इस सेगमेंट में कॉम्पिटिशन बहुत तेज होने वाला है। बता दें कि भारत की सबसे कार निर्माता कंपनी मारुति है। मारुति अफोर्डेबल और बढ़िया माइलेज वाली कार बनाने के लिए जानी जाती है।

अमेजन को प्राइम डे सेल में अधिक बिक्री की उम्मीद

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने कहा कि उसे 15-16 जुलाई को आयोजित बिक्री मेला प्राइम डे 2023 के दौरान ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। अमेजन इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक कार्यक्रम में कहा कि इस विशेष बिक्री के दौरान स्मार्टफोन, टेलीविजन, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और फैशन उत्पादों पर प्राइम सदस्यों के लिए कई तरह की छूट एवं पेशकश की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की धारणा काफी सकारात्मक है। महंगाई से संबंधित कुछ रुझान हैं लेकिन उम्मीदों के संदर्भ में उपभोक्ता धारणा बेहद मजबूत है। हमें उम्मीद है कि प्राइम डे सेल पर भी हमें ग्राहकों एवं विक्रेताओं से तगड़ी प्रतिक्रिया मिलेगी। कंपनी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक अमेजन प्राइम की सदस्यता रखने वाले ग्राहकों तक इस बार 25 शहरों में बहुत तेजी से ऑर्डर पहुंचाने की तैयारी की गई है।

ओएफएस के जरिए एनएसडीएल में दो फीसदी हिस्सेदारी बेचेगा एसबीआई

- एनएसडीएल शेयर बाजारों में लिस्ट होने वाली दूसरी डिपॉजिटरी सेवा कंपनी बन जाएगी

मुंबई । देश के प्रमुख सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ओएफएस के जरिए नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) में अपनी 2 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की है। इसके जरिए सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक संस्थान में अपने 40 लाख के शेयर बेचेगा। बता दें कि एनएसडीएल अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने जा रही है। एनएसडीएल शेयर बाजारों में लिस्ट होने वाली दूसरी डिपॉजिटरी सेवा कंपनी बन जाएगी। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के बाद एनएसडीएल भारतीय शेयर बाजारों में लिस्ट होने वाली दूसरी डिपॉजिटरी सेवा कंपनी होगी। बाजार ` नियामक सेबी को जमा किए गए ड्राफ्ट पेपर में एसबीआई ने जानकारी दी है कि वह एनएसडीएल आईपीओ में अपनी 2 फीसदी हिस्सेदारी ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेगी। सेबी के अलावा कई और बैंक भी एनएसडीएल के आईपीओ में ओएफएस के माध्यम से संस्थान में अपनी हिस्सेदारी बेचने वाले हैं। बता दें कि आईडीबीआई बैंक 18,000,0001 इक्विटी के शेयर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 5,625,000 इक्विटी शेयर और एचडीएफसी बैंक 4,000,000 इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेगी। साथ ही स्पेसिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ द यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया भी 3,415,000 के इक्विटी शेयर बेचने वाली है। एनएसडीएल यानी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड की स्थापना साल 1996 में हुई थी। यह शेयर बाजार की डिपॉजिटरी है। यह निवेशकों के शेयरों और अन्य सिक्योरिटीज को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखती है। कंपनी ने सेबी के पास अपने इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए पेपर जमा करवा दिए हैं, जिसमें एनएसडीएल इस आईपीओ के जरिए कुल 5.73 करोड़ शेयरों को बेचने वाली है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 274 , निफ्टी 83 अंक उछला

मुंबई ।

घरेल शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी (लिवाली) से बाजार ऊपर आया है। विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से भी बाजार में बढ़त रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और आईटीसी के शेयरों में लिवाली से भी बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई संसेक्स 273.67 अंक करीब 0.42 फीसदी बढ़कर 65,617.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 83.50 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी बढ़कर 19,439.40 अंक पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मा, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, आईटीसी, नेस्ले, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में ज्यादातर में तेजी रही। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में रहे थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 240.54 अंक बढ़त के साथ 65584.71 पर और निफ्टी 76.80 अंक की बढ़त के साथ 19432.70 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी पर एचडीएफसी लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि यूपीएल, हीरो मोटोकॉर्प, विप्रो, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों को नुकसान हुआ।

प्री-ओपनिंग सेशन में सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

टाटा कम्यु निकेशन 99.3 करोड़ में खरीदेगी ओएसएसई फ्रांस की बाकी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

टाटा कम्युनिकेशंस ने कहा` कि वह ओएसएसई फ्रांस में बाकी बची 41.9 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। ये अधिकग्रहण 99.3 करोड़ रुपए में होगा। कंपनी का मानना है की ये डील एक महीने में पूरी हो जाएगी। इस अधिग्रहण के बाद टाटा कम्युनिकेशंस की सिंगापुर स्थित सहायक कंपनी टाटा कम्युनिकेशंस इंटरनेशनल पीटीई, ओएसिस स्मार्ट सिम यूरोप में 100 प्रतिशत इक्विटी शेयरधारिता हासिल करेगी। कंपनी ने एक रेग्युलेटरी फाइलिंग में कहा` कि टीसीआईपीएल, ओएसएसई फ्रांस में संपूर्ण इक्विटी ओनरशिप खरीदेगी, बकाया 41.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदकर टीसीआईपीएल, ओएसएसई फ्रांस में अपनी हिस्सेदारी को मौजूदा 58.1 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी कर देगी। गौरतलब है कि 2020 में टीसीआईपीएल ने ओएसिस स्मार्ट सिम यूरोप एसएएस (ओएसएसई फ्रांस) और ओएसिस स्मार्ट ई-सिम पीटीई लिमिटेड (ओएसईपीएल) ओएसिस में 58.1 फीसदी मोजेरिटी इक्विटी हिस्सेदारी खरीद ली थी। जिसके चलते ओएसएसई फ्रांस और ओएसईपीएल इसकी सहायक कंपनियां बन गईं थी। ओएसईपीएल, ओएसएसई फ्रांस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। ओएसिस, ईएसआईएम और सिम टेक्नोलॉजी को लागू करने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और दूसरी जरूरी सेवाएं उपलब्ध करवाती है। इसने दुनिया भर में 350 मिलियन से अधिक ऑपरेटिंग सिस्टम बेचे हैं। कंपनी ने 100 से ज्यादा मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों के साथ काम किया है।

यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर

वेलिंगटन । यूरोपीय संघ ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्ष इस समझौते से एक दशक के भीतर द्विपक्षीय व्यापार में 30 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। सरकारी बयान के अनुसार न्यूजीलैंड को इस समझौते से यूरोपीय संघ में शामिल 27 देशों को किए जाने वाले सालाना निर्यात से 1.8 अरब न्यूजीलैंड डॉलर का लाभ होगा। यूरोपीय आयोग ने बयान में कहा कि पांच साल में हुए इस समझौते से शुल्क में प्रति वर्ष 15.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कटौती होगी। यूरोपीय आयोग ने कहा` कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में न्यूजीलैंड हमारे लिए एक प्रमुख भागीदार है और यह मुक्त व्यापार समझौता हमें और भी करीब लाएगा। समझौते की शुरुआत से यूरोपीय संघ को निर्यात किए जाने वाले न्यूजीलैंड के 91 प्रतिशत सामान पर से शुल्क हटा दिया जाएगा। यह संख्या सात साल बाद बढ़कर 97 प्रतिशत हो जाएगी। समझौते को अभी न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ की संसद से मंजूरी मिलनी बाकी है।

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर अपनी राय दी

- अडानी-हिंडनबर्ग विवाद का मामला

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया है, जिसमें अडानी-हिंडनबर्ग मामले के संबंध में अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई विभिन्न सिफारिशों पर उसके विचार शामिल हैं। बाजार नियामक ने अपने आवेदन में मामले की मंगलवार को होने वाली सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत से उचित आदेश मांगा है। विशेषज्ञ समिति ने प्रभावी प्रवर्तन नीति के लिए अपनी रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ, एक उचित प्रवर्तन नीति विकसित करने की सिफारिश की, जो बहुमूल्य नियामक संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करेगी और मानदंड निर्धारित करेगी, जिसके आधार पर सेबी कार्यवाही शुरू कर सकती है। सेबी ने जवाब में अदालत के समक्ष कहा कि उसके पास एक प्रलेखित प्रवर्तन मैनुअल है जो जांच, निरीक्षण या मध्यस्थों या अन्य परीक्षाओं के पूरा होने के अनुसार सेबी द्वारा आयोजित सभी अर्ध-न्यायिक और अन्य प्रवर्तन कार्यवाहियों पर लागू होता है। इसमें कहा गया है, प्रवर्तन मैनुअल, अन्य बातों के अलावा, विभिन्न प्रकार के प्रतिभूति बाजार उल्लंघनों के लिए उपयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई शुरू करने के लिए जहां भी संभव हो, वस्तुनिष्ठ मानदंड, संख्यात्मक सीमाएं निर्धारित करता है। विशेषज्ञ समिति की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि 2021-22 में सेबी द्वारा शुरू की गई कार्यवाही आसमान छू गई है, इसने कहा कि वृद्धि इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस (आईएसओ) मामलों में बड़ी संख्या में न्यायिक कार्यवाही के कारण थी। सेबी ने न्यायिक अनुशासन के संबंध में कहा कि सामान्य तौर पर एक निर्णायक अधिकारी द्वारा निर्धारित अनुपात का पालन दूसरे डब्ल्यूटीएम/एओ द्वारा किया जाता है। उन मामलों को छोड़कर जहां बाद वाला प्राधिकारी पूर्व द्वारा निर्धारित अनुपात से सहमत नहीं है, क्योंकि इसका कोई पूर्ववर्ती मूल्य नहीं है। उसने कहा कि प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन त्वरित कार्रवाई की मांग करता है, ताकि प्रतिभूति बाजार पर नकारात्मक प्रभाव को सीमित किया जा सके। प्रतिभूति कानून का संपूर्ण मैट्रिक्स एक सुरक्षित निवेश वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है और इसलिए प्रतिभूति कानून के तहत तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि सेबी के मामलों में यदि समय पर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो निवेशकों को अपूरणीय क्षति हो सकती है, जिसे उच्च न्यायालय द्वारा पलटा नहीं किया जा सकता है। एक मजबूत निपटान नीति पर, सेबी ने कहा कि उसके पास पहले से ही एक सेबी विनियम, 2018 है जो किसी विशेष मामले को निपटाने की प्रक्रिया से संबंधित है और इसमें निपटान आवेदनों को अस्वीकार करने और निपटान राशि की गणना के लिए आधार से संबंधित प्रावधान भी शामिल हैं।

अडाणी मामले में सेबी विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों से सहमत नहीं

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अडाणी मामले में उच्चतम न्यायालय के समक्ष कहा कि 2019 में उसके नियम में किए गए बदलाव से विदेशों से प्राप्त कोष के लाभार्थियों की पहचान करना कठिन नहीं है और इसका कोई भी उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि उसने लाभकारी स्वामित्व और संबंधित-पक्ष लेनदेन से जुड़े नियमों को लगातार कड़ा किया है। यह अडाणी समूह की कंपनियों के शेयर मूल्य में हेराफेरी के आरोपों में एक प्रमुख पहलू है। न्यायालय की तरफ से नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा था कि उसे उद्योगपति गौतम अडाणी की कंपनियों में गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं मिला और साथ ही नियामकीय स्तर पर भी कोई विफलता नजर नहीं आई। हालांकि समिति ने 2014 से 2019 के बीच सेबी के नियमों में हुए कई संशोधनों का जिक्र करते हुए कहा था कि इनसे नियामकों की जांच करने की क्षमता बाधित हुई और विदेशी संस्थानों से धन प्रवाह में कथित उल्लंघन की जांच में भी कुछ नहीं निकला है। अडाणी समूह के खिलाफ लगे आरोपों पर अपनी जांच की स्थिति रिपोर्ट का कोई उल्लेख किए बगैर सेबी ने न्यायालय में पेश अपने नवीनतम हलफनामे में कहा कि वह विशेषज्ञ समिति से विदेशी कोष के पीछे आर्थिक हित रखने वाले की पहचान में कठिनाई की बात से सहमत नहीं है। सेबी पर किसी भी प्रतिभूति कानून के उल्लंघन की जांच करने को लेकर कोई रोक नहीं है।

नोएडा-गाजियाबाद और पटना में पेट्रोल और डीजल महंगा

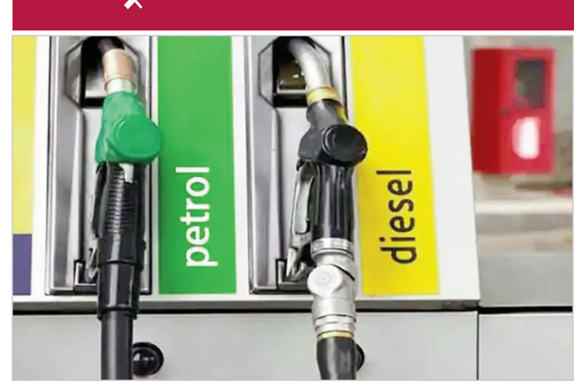

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को हल्की तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.44 डॉलर बढ़कर 73.43 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.38 डॉलर की तेजी के साथ 78.07 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमत में 57 और डीजल में 56 पैसे की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 48 और डीजल 46 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा तेलंगाना, जेएंडके, कर्नाटक और केरल में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 46 और डीजल 43 पैसे सस्ता हुआ है। पंजाब में पेट्रोल 12 और डीजल 11 पैसे नीचे आया है। गोवा व मणिपुर में भी पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.90 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.48 रुपए और डीजल 89.67 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

फॉक्सकॉन भारत में वेदांता के साथ सेमीकंडक्टर संयुक्त उपक्रम से पीछे हटी

- वेदांता ने कहा, वह सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र लगाने संभावित भागीदारों से कर रही है संपर्क

नई दिल्ली ।

फॉक्सकॉन ने भारत में वेदांता के साथ सेमीकंडक्टर संयुक्त उपक्रम से हटने का फैसला किया है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) ने कहा कि वह सेमीकंडक्टर उद्यम से फॉक्सकॉन का नाम हटाने का प्रयास कर रही है। कंपनी ने कहा कि फॉक्सकॉन का इस इकाई के साथ कोई संबंध नहीं है। मूल नाम बनाए रखने से भविष्य के अंशधारकों के लिए असमंसज की स्थिति पैदा होगी। वहीं फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम से पीछे हटने के बाद वेदांता ने कहा कि वह सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए संभावित भागीदारों के संपर्क में है। ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने पिछले साल वेदांता के साथ मिलकर गुजरात में सेमीकंडक्टर बनाने और डिस्प्ले उत्पादन संयंत्र लगाने का करार किया था। इसमें करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाना था। फॉक्सकॉन ने कहा कि परस्पर करार के तहत अधिक विविधता वाले अवसरों की संभावनाएं तलाशने के लिए फॉक्सकॉन ने वेदांता के साथ संयुक्त उद्यम पर आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया है। वेंदाता के साथ फॉक्सकॉन के इस फैसले पर सरकार की प्रतिक्रिया आई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि इस निर्णय से भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन सेक्टर के लिए देश की योजना पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वेदांता ने वीएफएसएल के माध्यम से हाल ही में एक वैश्विक सेमीकॉन प्रमुख से तकनीकी लाइसेंसिंग समझौता किया है। इस प्रस्ताव का वर्तमान में सेमीकॉन इंडिया द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है। वेदांता और फॉक्सकॉन दोनों देश में अपनी सेमीकंडक्टर योजनाओं को स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ाएंगे। होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) और वेदांता ने पिछले एक साल में सेमीकंडक्टर के विचार को वास्तविकता बनाने के लिए काफी काम किया। कंपनी ने इसे एक अच्छा अनुभव बताते हुए कहा कि आगे चलकर इससे दोनों कंपनियों को मदद मिलेगी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 : आखिरी ओवर में भारत ने दर्ज की रोमांचक जीत, बांग्लादेश हुआ धाराशाही

ढाका (एजेंसी)। भारत ने दीप्ति शर्मा (12/3), मिन्नू मणि (9/2) और शेफाली वर्मा (15/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मंगलवार को रोमांच से भरे दूसरे महिला टी20 में बांग्लादेश को आठ रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बल्लेबाजों की असफलता के कारण भारत 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 95 रन ही बना सका, लेकिन गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 20 ओवर में 87 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंदबाजों की अगुवाई दीप्ति ने की जिन्होंने चार ओवर में 12 रन देते हुए तीन विकेट लिये, जिसमें बांग्लादेश के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली कप्तान निगार सुल्ताना (38) का विकेट भी शामिल रहा। अपना दूसरा टी20 खेल रहीं मिन्नू ने चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिये, जबकि बरेड्डी अनुषाने चार ओवर में 20 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

बांग्लादेश को आखिरी ओवर में 10 रन की दरकार थी। शेफाली ने इस ओवर में मात्र एक रन देते हुए तीन विकेट चटकाये, जबकि चौथा विकेट रनआउट के रूप में गिरा और बांग्लादेश 87 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के सामने मात्र 96 रन का लक्ष्य रखने के बाद भारत की जीत का दारोमदार गेंदबाजों के ऊपर था। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पूजा वस्त्राकर के पहले ओवर में बंगलादेश ने शमीमा सुल्ताना एवं साथी रानी के एक-एक चौके की मदद से 10 रन बटोर लिये। इसके बाद स्पिनरों ने भारत के लिये मोर्चा संभाला। मिन्नू ने दूसरा ओवर मेडेन फेंकते हुए सुल्ताना का विकेट निकाला, जबकि दीप्ति ने तीसरे ओवर में तीन रन देकर रानी को आउट किया। बरेड्डी ने पावरप्ले के फौरन बाद मुर्शिदा खातून (चार) का विकेट निकाला, जबकि मिन्नू ने ऋतु मोनी को पगबाधा आउट कर बांग्लादेश का स्कोर आठ ओवर में 31/4 कर दिया। लगातार गिरते विकेटों के बीच कप्तान सुल्ताना ने बंगलादेश की पारी को संभाला। उन्होंने शोर्ना अख्तर के साथ पांचवें विकेट के लिये 34 रन जोड़े। शोर्ना 17 गेंद पर सात रन बनाकर आउट हो गयीं, हालांकि सुल्ताना ने मैच को अंत तक ले जाने का पूरा प्रयास किया।

भारतीय पैरा निशानेबाज रुद्रांश ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, विश्व निशानेबाजी पैरा खेल में जीता गोल्ड

ओसियेक (एजेंसी)। भारत के पैरा निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल और निहाल सिंह ने सोमवार को यहां विश्व निशानेबाजी पैरा खेल (डब्ल्यूएसपीएस) विश्व कप में पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता।

16 वर्षीय रुद्रांश ने इस प्रतियोगिता में फाइनल में 231.1 अंक बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया जबकि निहाल 222.2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रुद्रांश ने खेल रत्न विजेता मनीष नारवाल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने तोक्यो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

निहाल क्वालिफिकेशन दौर में 536 अंक बनाकर शीर्ष पर रहे थे जबकि रुद्रांश 529 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर थे। इन दोनों के अलावा भारत के दो अन्य निशानेबाज फ्रांसिस रुबीना और राहुल जाखड़ भी आठ खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचे थे। रुबीना 158.5 अंक लेकर पांचवें जबकि जाखड़ 142 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे।

इस बीच आर3 मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 स्पर्धा में तोक्यो ओलंपिक में भारत की पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखारा 168 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं।

आईसीसी रैंकिंग: हरमनप्रीत की शीर्ष 10 में वापसी, शीर्ष पांच खिलाड़ियों की लिस्ट देखें

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की। हरमनप्रीत ने 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी खेली जिससे वह चार स्थान के फायदे से 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्रा 784 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही हैं जबकि उनके बाद टीम की उनकी साथी बेथ मूनी (777) का नंबर आता है। स्मृति मंधाना (728), सोफी डिवाइन (683) और सूजी बेट्स (677) शीर्ष पांच में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में किफायती गेंदबाजी करने वाली दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में 733 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था लेकिन दीप्ति ने अपने स्पैल में सिर्फ 14 रन दिए थे।

नोनकुलुलेको मलाबा (746) शीर्ष पर चल रही हैं जबकि सोफी एक्लेस्टोन (788) दूसरे स्थान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैच 44 और 52 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की स्टार बल्लेबाज सूजी बेट्स तीन स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं। आयरलैंड के खिलाफ गेंद और बल्ले से अच्छे प्रदर्शन के लिए श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज पांच स्थान के फायदे से बल्लेबाजों की सूची में 17वें स्थान पर पहुंच गई है।

श्रृंखला में 37, 50 और 48 रन की पारी खेलने के अलावा आठ विकेट चटकाने वाली मैथ्यूज गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से सातवें पायदान पर हैं। उन्होंने ऑलराउंडर की सूची में भी करियर के सर्वश्रेष्ठ 422 अंक जुटाए हैं लेकिन दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की एशलेग गार्डनर 435 अंक के साथ शीर्ष पर हैं।

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमेलिया केर बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के फायदे से 15वें जबकि गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर हैं। वह ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान आगे बढ़कर तीसरे पायदान पर हैं। बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड की डेनी वाट (तीन स्थान के फायदे से 14वें स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पैरी (छह स्थान के फायदे से 25वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट आज से

–रोहित की कप्तानी में अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी युवाओं से भरी टीम

रोसीयू (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तान में युवा खिलाड़ियों के साथ भारतीय टीम बुधवार से यहां शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज को जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के इस दौरे में यशस्वी जायसवाल सहित युवा खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहेंगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान वेस्टइंडीज विश्व कप क्वालीफायर में मिली से सबक लेते हुए इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपना मनोबल बढ़ाने उतरेगी हालांकि ये उसके लिए बेहद कठिन होगा। हाल के दिनों में मेजबान टीम लगातार कमजोर हुई है जबकि भारतीय टीम शीर्ष स्तर की टीमें में शामिल है। इस सीरीज में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतरी है। अनुभवी चेतेश्वर पुजारा की जगह युवा बल्लेबाज यशस्वी को अवसर दिया है। ऐसे में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी अपने को साबित करने उतरेंगे। यशस्वी को किस क्रम पर उतारा जाता है ये देखना होगा क्योंकि मध्यक्रम में युवा शुभमन गिल भी उतरते हैं।

यशस्वी पश्चिम क्षेत्र और शेष भारत के लिए पारी की शुरूआत करते आये हैं। इसलिए उन्हें शीर्षक्रम पर भी उतारा जा सकता है। इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले इस युवा बल्लेबाज के लिए अनुभवी केमार रोच, शेनोन गैब्रियल, अलजारी जोसफ और जैसन होल्डर जैसे गेंदबाजों को खेलना अच्छा अनुभव होगा। भारत का नया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र पिछले दो चक्रों की तुलना में इस बार कठिन होगा। गत दो सत्र में भारतीय टीम तेज गेंदबाजी और बल्लेबाजी क्रम के बल पर फाइनल में पहुंची थी। वहीं अब प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबे समय से चोटिल हैं जबकि मोहम्मद शमी को इस श्रृंखला के लिए आराम दिया गया है। ऐसे में भारतीय टीम के आक्रमण में पैनापन घटा है। अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पिछले दो चक्र के लिए टीम में थे पर इस बार उन्हें भी टीम से बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा अनुभवी उमेश यादव हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद शायद ही वापसी कर पायें है। ऐसे में युवा मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाज आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उनका साथ तेज गेंदबाज ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर देंगे।

स्पिन की जिम्मेदारीरविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी पर रहेगा। इन चारों का चयन तो तय है पर युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट और नवदीप सैनी में से किसी एक को शामिल करना आसान नहीं होगा। विकेटकीपर के तौर पर कोना भरत पर ईशान किशन को वरीयता दिए जाने की उम्मीद है क्योंकि ईशान बेहतर बल्लेबाजी भी करते हैं। टेस्ट प्रारूप में पिछले कुछ साल में वेस्टइंडीज टीम का प्रदर्शन ठीक रहा है ऐसे में उसे खारिज करना भी सही नहीं होगा। मेजबान टीम के पास केमार रोच 261 विकेट और गैब्रियल 164 विकेट जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। भारतीय टीम को इन दोनो ही गेंदबाजों से सावधान रहना होगा। कप्तान रोहित शर्मा, उपकप्तान अजिंक्य रहाणे और विराट कोहली के लिए कैरेबियाई पिचों पर अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन आसान नहीं रहेगा। विराट को कुछ बड़ी पारियां खेलनी होगी। ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर उनकी कमजोरी कैरेबियाई गेंदबाज जान सकते हैं। ऐसे में खराब प्रदर्शन उन्हें टीम से बाहर करवा सकता है।

वहीं वापसी के साथ ही उपकप्तान बनाये गये रहाणे को भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी विंबलडन के प्री–क्वार्टर फाइनल में पहुंची

लंदन । भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन विंबलडन 2023 के प्री–क्वार्टर में पहुंच गये हैं। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने पुरुष युगल प्रतियोगिता के दूसरे दौर में जीत के साथ ही प्री–क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने ब्रिटेन के जैकब फर्नले और जोहानस की जोड़ी को एक घंटे तक चले मुकाबले में 7–5, 6–3 से हराया। बोपन्ना और 35 वर्षीय एबडेन ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और वे इस कारण 1–3 से पीछे हो गये थे गए पर इसके बाद इस जोड़ी ने लय हासिल करते हुए स्कोर 4–4 से बराबरी पर ला दिया। बोपन्ना और एबडेन ने आसानी से पहला सेट जीत लिया। वहीं दूसरे सेट में बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए 4–1 की बढ़त बना ली। जैकब फ़र्नले और जोहानस की जोड़ी ने मुकाबले में वापसी के प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुए। अब बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी का मुकाबला नीदरलैंड और अमेरिका के डेविड पेल और रीज़ स्टैल्डर की जोड़ी से होगा।

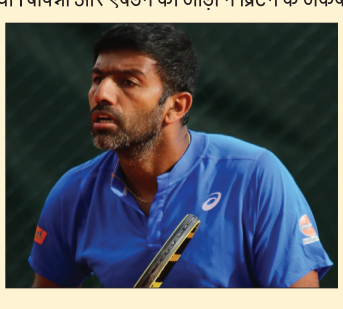

अधिक उम्र के सवाल पर भड़के रहाणे, बोले अभी में युवा हूं

डोमिनिका (ईएमएस)। भारतीय टीम में वापसी के साथ ही उपकप्तानी हासिल करने वाले बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की परीक्षा अब वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में होगी। इनमें अगर वह रन नहीं ना पाये तो उनका बाहर होना तय है। रहाणे को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में जगह मिली है। उन्होंने करीब डेढ़ साल बाद टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। 35 के हो रहे रहाणे से जब उनकी अधिक उम्र में उनकी वापसी को लेकर पूछा गया तो शांत रहने वाले रहाणे भड़के गये और उन्होंन करारा जवाब देते हुए कहा कि। मैं अभी भी युवा हूं। मेरे अंदर अभी भी काफी क्रिकेट बचा है। पिछले एक साल में मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। मैंने अपनी बल्लेबाजी के कई पहलूओं पर काफी काम किया है। मैं अपनी क्रिकेट का पूरा आनंद उठा रहा हूं। मैं भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा। मेरे लिए निजी तौर पर और टीम के लिहाज से भी देखूं तो हर मैच अहम है। मैं केवल बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा हूं। रहाणे ने अपनी वापसी को लेकर आगे कहा, मेरे लिए कुछ नहीं बदला है। सीएसके ने मुझे एक भूमिका दी थी और मैंने उसे पूरा करने की कोशिश की। इससे पहले मेरा रोल एंकर का था और मैं उस हिसाब से खेला।

पोलिग्रास पुरस्कार के लिए नामांकित हुए फॉरवर्ड दिलप्रीत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड दिलप्रीत सिंह को 2022-23 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान विश्व चैंपियन जर्मनी के खिलाफ उनके ओवरहेड शॉट के लिए 'पोलिग्रास मैजिक स्किल' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2022-23 सीजन के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार के लिये नामांकन सोमवार को जारी किये गये। मतदान का आखिरी दिन 19 जुलाई है जबकि विजेता की घोषणा 21 जुलाई को की जाएगी। पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार हॉकी दर्शकों द्वारा इस आधार पर तय किया जाता है कि उनके अनुसार सीज़न के दौरान सबसे अच्छा पल किस खिलाड़ी ने पैदा किया।

दिलप्रीत ने अपना यादगार शॉट मार्च 2023 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के राउरकेला चरण के दौरान खेला जब भारतीय टीम का सामना बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में जर्मनी से हुआ। सुखजीत सिंह (32वां, 43वां मिनट) और हरमनप्रीत सिंह (30वां मिनट) के गोल की बदौलत भारत ने मुकाबला 3-2 से जीता था। पहले क्वार्टर के 11वें मिनट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दाहिने फ्लैंक से एक शॉट खेला और दिलप्रीत सिंह ने अपने सिर के ऊपर से गेंद को जर्मनी के गोल की ओर मोड़ दिया। जर्मनी के गोलकीपर ए. स्टैडलर आश्चर्यचकित रह गये और उन्होंने किसी तरह गेंद को रोकने में कामयाब हुए। दिलप्रीत भले ही गोल नहीं कर सके, लेकिन उनके शानदार प्रदर्शन की दुनिया भर के प्रशंसकों ने सराहना की।

दिलप्रीत ने नामांकन पर कहा, 'पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार के लिये नामांकित होने पर मैं खुशी और उत्साह से अभिभूत हूं। मैं इस अवसर पर उन लोगों के लिये अपना आभार व्यक्त करना चाहूंगा जो आने वाले दिनों में मुझे वोट देंगे। आपके वोट और प्यार मुझे बेहतर प्रदर्शन करने और खेल पर अमिट छाप छोड़ने के लिये प्रेरित करते रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'मैं कड़ी मेहनत करना, दूसरों को प्रेरित करना और हर मैच में बेहतर के लिये प्रयास करना जारी रखूंगा। मैं इस अवसर पर अपने कोचों, सहयोगी स्टाफ और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपने साथियों को उनके अटूट प्रोत्साहन और समर्थन के लिये धन्यवाद देना चाहता हूं।' इस पुरस्कार के लिये दिलप्रीत के अलावा अर्जेंटीना के मार्टिन फरेरो, चीन के झोंग जियाकी, जर्मनी की चार्लोट स्टेपनहोर्स्ट, ग्रेट ब्रिटेन के ज़ैक वॉलेस और नीदरलैंड के पीएन सैंडर्स को भी नामांकित किया गया है।

पद्मिनी राऊत पाँचवीं बार बनी नेशनल सीनियर चैम्पियन

अहमदाबाद, गुजरात। पेट्रोलियम स्पोर्ट्स बोर्ड की पद्मिनी राऊत अपने खेल जीवन में पाँचवीं बार भारत की राष्ट्रीय महिला शतरंज चैम्पियन बन गयी है। पद्मिनी नें अहमदाबाद मे चल रही 49वीं सीनियर महिला शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है, उन्होने अंतिम राउंड में वर्तमान एशियन चैम्पियन और लगातार दो बार की नेशनल चैम्पियन दिव्या देशमुख को अंतिम राउंड में पराजित करते हुए 11 राउंड में 9 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया। पद्मिनी इससे पहले 2014 से 2017 तक लगातार चार बार यह खिताब जीत चुकी है। 3 बार की नेशनल चैम्पियन पीएसपीबी की मैरी एन गोम्स 8.5 अंको के साथ बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दूसरे स्थान पर रही जबकि खिताब की एक अन्य दावेदार पूर्व नेशनल चैम्पियन भक्ति कुलकर्णी को पराजित करते हुए बंगाल की अर्पिता मुखर्जी 8.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रही। 8 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर गोवा की भक्ति कुलकर्णी, महाराष्ट्र की साक्षी चित्लांगे और ईशा शर्मा क्रमश : चौंथे से छठे स्थान पर रही, 7.5 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर रेल्वे की महालक्ष्मी एम, महाराष्ट्र की दिव्या देशमुख, तमिलनाडू की श्रीजा शेषाद्रि और आंध्र प्रदेश की मौनिका अक्षया क्रमश : सातवे से दसवें स्थान पर रही।

विराट ने वेस्टइंडीज में युवा खिलाड़ियों को दिये ऑटोग्राफ

डोमिनिका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज दौरे पर गयी भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार से शुरु होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट से पहले अपने प्रशंसकां के साथ ही युवा खिलाड़ियों से भी मुलाकात की। इस दौरान विराट ने

खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचवाई और उन्हें ऑटोग्राफ भी दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसका एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें युवा खिलाड़ी विराट से मिलने के बाद काफी खुश दिखे।

विराट ने वेस्टइंडीज में अब तक 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 13 पारियों में 35.61 की औसत से 463 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 2 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय में विराट ने वेस्टइंडीज में अब तक 18 एकदिवसीय खेलकर 58.92 की शानदार औसत से बल्लेबाजी करते हुए 4 शतक और 5 अर्धशतक के साथ ही 825 रन बनाए हैं।

राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैम्पियनशिप : मीराबाई के बिना भी भारतीय भारोत्तोलकों का दबदबा रहने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू के बिना भी मेजबान भारत को बुधवार से यहां शुरू हो रही राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में बड़ी संख्या में पदक मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हमेशा भारत का दबदबा रहा है। इसमें चीन और उत्तर कोरिया जैसे दिग्गज भाग नहीं लेते। राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप 2011 के बाद से भारत ने 2013 और 2021 को छोड़कर इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। पिछली बार भारत ने 16 पदक जीते थे लेकिन स्वर्ण पदक कम होने के कारण कनाडा के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इस साल भारतीय भारोत्तोलक उस कमी को पूरी करना चाहेंगे और अपने देश में खेलने का उन्हें फायदा भी मिलेगा। तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई, युवा ओलंपिक चैम्पियन जेरेमी लालरिनुगा, राष्ट्रमंडल पदक विजेता अचिंता शेउली, बिंदियारानी देवी और संकेत सरगर अलग अलग कारणों से इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। इसके बावजूद 20 सदस्यीय भारतीय दल में कई पदक उम्मीदें हैं। इनमें से कई 2021 में कामयाब रहे और उजबेकिस्तान में पदक जीते थे। पूर्व एशियाई चैम्पियन झिल्ली डालाबेहेरा 45 किलो में और 2022 जूनियर विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी देवी 49 किलोवर्ग में उतरेंगी। पॉपी हजारिका (59 किलो) और राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता हरजिंदर कौर (71 किलो) तथा लवप्रीत सिंह (109 किलो) अपने रजत पदक को स्वर्ण में बदलना चाहेंगे। दो बार के चैम्पियन अजय सिंह की नजरें स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पर होगी।

डोप टेस्ट: खिलाड़ियों के पीछे हटने के बावजूद भारत को एशियाई एथलेटिक्स में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

बैंकॉक (एजेंसी)। खिलाड़ियों के नाम वापस लेने या डोप टेस्ट में चूकने के कारण भारत की तैयारियां आदर्श तो नहीं रही लेकिन शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर और लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर की अगुवाई में टीम को बुधवार से शुरू हो रही एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

शॉटपुट खिलाड़ी करणवीर सिंह स्पर्धा से बाहर डोप टेस्ट में नाकाम रहे और उन्हें 54 सदस्यीय भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। वहीं चोट के कारण तीन साल बाद वापसी करते हुए पिछले महीने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चैम्पियनशिप में 51.48 सेकंड का समय निकालकर 400 मीटर का स्वर्ण जीतने वाली अंजलि देवी भी डोप टेस्ट में नाकाम रही।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी रिले धावक मुहम्मद अनस याहिया भी रहस्यपूर्ण हालात में बाहर किये गए हालांकि 22 जून को चुनी गई टीम में उनका नाम था। एएफआई ने उनके बाहर होने का कारण नहीं बताया है।

इस बारे में पूछे जाने पर एक अधिकारी ने कहा कि एशियाई एथलेटिक्स संघ विकल्पों को अनुमति नहीं देता है। इसके मायने हैं कि 11 जून की समय सीमा के भीतर भेजी गई टीम में अनस का नाम नहीं था। लंबी कूद के अनुभवी खिलाड़ी जेस्विन अल्ड्रिन, त्रिकूद में प्रवीण चित्रावेल और भालाफेंक में पदक उम्मीद रोहित यादव ने चोटों के कारण नाम वापस ले लिया।

अल्ड्रिन की गैर मौजूदगी में श्रीशंकर लंबी कूद में स्वर्ण के दावेदार होंगे। वह पिछले महीने डायमंड लीग के पेरिस चरण में तीसरे स्थान पर रहे थे। पुरूषों के शॉटपुट में एशियाई रिकॉर्डधारी गत चैम्पियन तूर पर नजरें रहेंगी जिन्होंने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चैम्पियनशिप में 21.77 मीटर का थ्रो फेंका था। दोहा में 2019 में हुई चैम्पियनशिप में उन्होंने 20 . 22 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

उन्होंने कहा, 'मेरी तैयारी अच्छी है और बैंकॉक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।' पुरूषों के भालाफेंक में यादव के बिना भी भारत को डी पी मनु पदक दिला सकते हैं जिन्होंने इस साल 84.33 मीटर की दूरी तय की। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा इसमें भाग नहीं ले रहे हैं जो बुडापेस्ट में अगस्त में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप की तैयारी में जुटे हैं। त्रिकूद में अब्दुल्ला अबूबाकर और डेकाथलन में तेजस्विन शंकर से उम्मीदें होंगी।

महिलाओं में ज्योति याराजी 100 मीटर बाधा दौड़ में पदक की दावेदार होंगी। उन्होंने 12.84 सेकंड के साथ इस समय एशिया में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है। महिलाओं की लंबी कूद में शैली सिंह और एंसी सोजन से उम्मीदें हैं। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता अन्नु रानी पर नजरें होंगी। पिछली बार उन्होंने रजत पदक जीता था। हेप्टाथलन में स्वप्ना बर्मन और 3000 मीटर स्टीपलचेस में पारूल चौधरी पदक की दावेदार हैं। भारत ने 2019 में दो स्वर्ण, सात रजत और सात कांस्य समेत 16 पदक जीते थे।

ब अपनी हॉबी को ही बना कते हैं करियर ऑप्शन

के समय में जॉब करना न नहीं रह गया है। यह तब और मुश्किल हो जाता ब किसी का प्रोफेशन और अलग-अलग हो। जिसके ग आजकल कई लोग जॉब र रहे हैं, लेकिन वे उन । से खुश नहीं हैं। पैसा ने के लिए जॉब करना और पैशन को फॉलो करके आगे जाना दोनों बहुत । बात हैं। फिर चाहे उसमे ोड़े कम क्यों न हो।

फी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी उसे आप अलग से समय निकाल कर करते इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 फॉलो कर सकते हैं।

पहले रिसर्च करें

ॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी ़म करियर बना सकती है या नहीं। उसमें र करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में ोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की पड़ती है।

फीडबैक लें

व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें र सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। ाद रखें कि काम शुरू करने से पहले ॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

सी भी कार्य की सफलता के लिए भावना नी चाहिए। प्रारम्भ करने हमारा भाव क्या या करना इसका महत्व लता के लिए का सुमिरन करें। भगवान कर किए जाने वाले कार्य ता अवश्य मिलती है। रिश्रम से कुछ नहीं होता। भगवान की असीम कृपा रिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

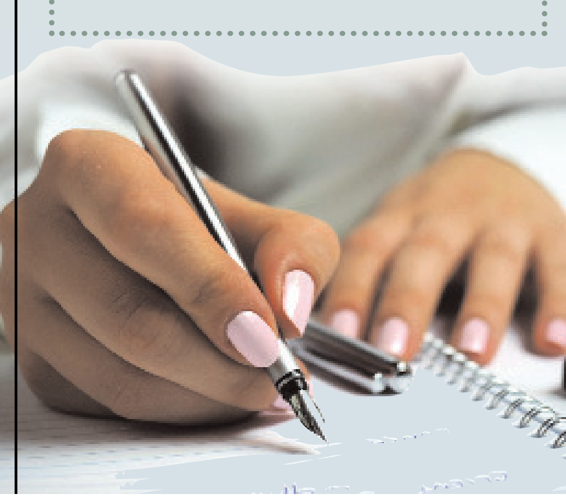

लाभदायक करि इमेज कंसल्टिं

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटे किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा इमेज मास्टर अवार्ड से नवाज जिससे वह भारतीय उपमहाद्वी सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैं गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहना महत्व पर वह कहती हैं, ''80 से अधिक संवाद दृश्य होता है पहनावा इसका सबसे महत्व हिस्सा है। जब भी आप किसी मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे ध्यान सामने वाले के पहनावे जाता है। हालांकि यह बताना है कि पहनावे के संबंध में कौ एक इमेज कंसल्टैंट के पास वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर किसी अन्य पेशेवर के पास न सकता है। महत्व बढ़िया परि का नहीं होता, बल्कि उस संदे होता है जो आप अपने पहनावे सामने वाले को देना चाहते हैं। पहनावे को सुनिश्चित बनाने के व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों का ध्यान रखने के अलावा आक दिखने के लिए अपने शारीरिक रंग-रूप, चेहरे के आकार आ भी गौर करना पड़ता है।'' उन अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रख युवाओं के लिए यह एक उत्तम बेहद लाभदायक करियर साबि सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदल युवाओं की तकदी

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है वि अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानु ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा कें न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्र सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्र अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया र से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्याल ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिके पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ करियर उन्मुखी होते हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कारोबारी प्रीतम सिंह को लेकर दिए बयान पर पीएम दहल ने मांगी माफी

काठमांडू। नेपाल में भारतीय कारोबारी प्रीतम सिंह को लेकर दिए बयान पर बुरी तरह से घिरे प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने माफी मांग ली है। कई दिनों से विपक्षी दलों के हमले के बाद प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद के अंदर माफी मांगी। इसके पहले 2 जुलाई को प्रचंड ने कहा था कि प्रीतम सिंह ने एक बार मुझे प्रधानमंत्री बनाने में मदद की थी। मुझे प्रधानमंत्री बनाने के लिए सिंह कई बार दिल्ली गए थे और काठमांडू में नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की थी। प्रचंड के बयान के बाद देश में सियासी बवाल मच गया था और केपी ओली की पार्टी लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल नेपाली कांग्रेस के नेताओं ने इसकी आलोचना की थी। ओली की पार्टी संसद में कई दिनों से प्रचंड के इस्तीफे की मांग कर रही थी और इसकारण पिछले दिनों कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा था। इस सियासी विवाद के बाद अब प्रचंड ने एक बयान देकर माफी मांगा है। प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में कहा, हालांकि यह मेरा इरादा नहीं था (यह कहना कि नेपाल में प्रधानमंत्रियों की नियुक्त करने में भारत की कोई भूमिका है), इसके बाद भी मैं अपने बयान के लिए खेद व्यक्त करता हूं। प्रचंड ने कहा कि वह कार्यक्रम के दौरान भावुक हो गए थे और उस समय प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि एक बेटी के पिता के रूप में बोल रहे थे। मेरी बेटी की एक समय में बहुत तबीयत खराब थी और सरदार प्रीतम सिंह ने मदद की थी। दहल की बेटी ज्ञानू केसी का साल 2014 में कैंसर से निधन हो गया था। प्रीतम सिंह ने भारत में ज्ञानू के इलाज में मदद की थी। प्रचंड ने कहा कि उ?हें बाद में यह अहसास हुआ कि उनका बयान एक देश के प्रधानमंत्री होने के नाते अनुचित था।

इज़राइल की न्याय प्रणाली में बदलाव की बयार, विवादास्पद विधेयक पेश

जेरुसलेम। इज़राइल की संसद ने पहली रिडिंग में विवादास्पद विधेयक को अपनाया है। यह विधेयक अदालत की शक्तियों को सीमित कर देगा। इसके साथ ही विधेयक का विरोध भी शुरु हो गया है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इज़राइल की न्याय प्रणाली को बदलने के लिए अपनी सरकार के अभियान को फिर से शुरू किया है। गौरतलब है कि नेसेट विधेयक पर मतदान करने वाला है जो सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को सीमित करता है। अगर यह पारित हुआ तो विरोध प्रदर्शन तेज होने की संभावना है। इजराइल की न्याय प्रणाली में नियोजित बदलाव को रोकने की मांग करते हुए, साप्ताहिक रैलियों में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं। जानकारी के अनुसार नया बिल एक संशोधन है जो न्यायाधीशों से ऐसे निर्णयों को अनुचित मानने की शक्ति छीनकर सरकार, मंत्रियों और निर्वाचित अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णयों को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय की क्षमता को सीमित कर देगा। समर्थकों का कहना है कि इससे अदालत को न्यायिक समीक्षा के अन्य मानकों जैसे आनुपातिकता के साथ छोड़ते हुए अधिक प्रभावी शासन की अनुमति मिलेगी। वहीं आलोचकों का कहना है कि संवैधानिक रूप से आधारित जांच और संतुलन के बिना, यह भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग का द्वार खोल देगा। सत्तारूढ़ गठबंधन में कई लोग बेंच को वामपंथी झुकाव वाले अभिजात्यवादी और राजनीतिक क्षेत्र में बहुत अधिक हस्तक्षेप करने वाले के रूप में देखते हैं, जो अक्सर अल्पसंख्यक अधिकारों को राष्ट्रीय हितों से पहले रखते हैं और अधिकार मानते हैं जो केवल निर्वाचित अधिकारियों के हाथों में होना चाहिए। उनका मानना है कि लोकतंत्र ख़तरे में है।

नेपाल में मनांग एयर का हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार, पायलट और पांच मैक्सिकन नागरिक थे सवार

काठमांडू। नेपाल में माउंट एवरेस्ट के पास लमजुरा में पांच मेक्सिकोवासियों सहित छह लोगों को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सोलुखुम्बु से काठमांडू की यात्रा के दौरान आज सुबह करीब 10:15 बजे हेलिकॉप्टर का नियंत्रण टावर से संपर्क टूट गया। दुनिया की सबसे बड़ी चोटी माउंट एवरेस्ट की सैर पर पांच विदेशी पर्यटकों को ले जा रहा निजी वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर काठमांडू लौट रहा था, तभी उसका संपर्क टूट गया। द काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मनांग एयर हेलीकॉप्टर, 9[illegible] के कॉल साइन के साथ और कैप्टन चेत गुरुंग द्वारा संचालित, सोलुखुम्बु में सुरकी से उड़ान भरी और उड़ान के 15 मिनट बाद संपर्क रहित हो गया। इसमें कहा गया है कि हेलिकॉप्टर का मलबा भकांजे गांव के लमजुरा के चिहांडांडा में पाया गया। इसमें कहा गया है कि मौसम की स्थिति के कारण हेलीकॉप्टर के उड़ान मार्ग में बदलाव करना पड़ा।

भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई जेल, सिंगापुर में पुलिसकर्मी पर हमले का आरोप

सिंगापुर। सिंगापुर में एक पुलिसकर्मी पर हमले के आरोप में 25 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति को दस साल की जेल हुई है। उस पर आरोप है कि 2020 में छापेमारी के दौरान उसने एक पुलिस अधिकारी को मुक्का मारा था। इतना ही नहीं उसने लात भी मारी थी, जिसके लिए 10 साल से अधिक की जेल की सजा और 4,000 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार निखिल एम. दुर्गुडे को पिछले महीने आठ आरोपों में दोषी ठहराया था। इसमें एक लोक सेवक को उसके कर्तव्य से रोकने के लिए जानबूझकर चोट पहुंचाना, भांग रखना और मेथाम फेटामाइन का सेवन करना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सजा सुनाए जाने के दौरान 15 अ?य आरोपों पर विचार किया गया। इस दौरान जिला अदालत की न्यायाधीश जसवंदर कौर ने कहा कि हमले के दौरान निखिल ने पुलिस अधिकारी का अपमान भी किया। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वरिष्ठ स्टाफ सार्जेंट चुआ मिंग वेंग और इंस्पेक्टर झेंग यियांग सहित तीन अधिकारी 5 नवंबर, 2020 को एक पुलिस ऑपरेशन के हिस्से के रूप में बालेस्टियर में सिटी सूट्स की एक इकाई में गए थे। उन्होंने खुद को निखिल और उसके साथियों, प्रकाश मथिवनन और मलानी नायडू प्रभाकर को पुलिस के रूप में बताया। वहीं थोड़ी देर बाद, प्रकाश ने स्टाफ सार्जेंट चुआ पर झपट्टा मारा, इससे वह गिर गया। इसके बाद उसने अधिकारी के चेहरे और शरीर के ऊपरी हिस्से पर वार किया था। जब इंस्पेक्टर झेंग ने प्रकाश पर अपनी रिवॉल्वर तानकर हमला बंद करने के लिए कहा, तो प्रकाश ने उसके हाथ पकड़ लिए। इससे पहले कि चुआ उठकर इंस्पेक्टर झेंग की सहायता कर पाता, निखिल ने उस पर हमला कर दिया। वह फिर से गिर गया और निखिल ने चुआ पर हमला करना जारी रखा, जबकि वह फर्श पर पड़ा था। तीनों लोगों को गिरफ्तार कर केंद्रीय पुलिस डिवीजन मुख्यालय ले जाया गया, जहां अधिकारियों ने परीक्षण के बाद निखिल के मूत्र में मेथामफेटामाइन का पता लगाया।

भारी बरसात ने पाकिस्तान में भी ढाया कहर, 86 लोगों की मौत, 151 हुए घायल

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भारी बरसात ने कहर ढाया है, यहां बाढ़ के चलते 86 लोगों की मौत हो गई जबकि 151 लोगों के घायल होने की खबर है। इस तरह से पाकिस्तान अब एक बार फिर भयानक बारिश और बाढ़ से जूझ रहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक 25 जून के बाद से हाल ही में हुई मानसूनी बारिश में 86 लोग मारे गए हैं और 151 अन्य घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में पूरे पाकिस्तान में भारी बारिश के कारण छह लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। एनडीएमए के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 86 मौतें हुई हैं और 151 घायल हुए हैं, जिनमें 16 महिलाएं और 37 बच्चे शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देशभर में मूसलाधार बारिश का कहर जारी रहने के कारण 97 घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा पंजाब में है जहां भारी बारिश के कारण 52 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा में 20 लोगों की मौत हो गई और बलूचिस्तान में छह लोगों की जान चली गई। पाकिस्तान के पंजाब में जारी बारिश के दौरान लाहौर के अजहर टाउन और शाहदरा टाउन इलाकों में दो छतें गिरने से कम से कम 9 लोग घायल हो गए। इस साल अप्रैल में, एनडीएमए ने भविष्यवाणी की थी कि पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ की 72 प्रतिशत आशंका है। लोक लेखा समिति (पीएसी) को एक ब्रीफिंग में, एनडीएमए के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इनाम हैदर ने कहा कि तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। ग्लेशियर पिघलने और शुरुआती मानसून के परिणामस्वरूप बाढ़ आ सकती है। एनडीएमए और पाकिस्तान का जलवायु परिवर्तन मंत्रालय 17 उपग्रहों की निगरानी कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पिछले साल की तरह विनाशकारी बाढ़ अब आई तो पाकिस्तान एक बड़े आर्थिक संकट में फंस जाएगा।

आईसलैंड में यूनिवर्सिटी के ऑब्जर्वर एक ज्वालामुखी के फटने का दृश्य देखते हुए।

पुतिन और वैगनर चीफ के बीच सीक्रेट बैठक, जेलेंस्की को मरने का दिया टॉस्क

–मीडिया रिपोर्ट में चर्चा

मॉस्को। रूसी अधिकारी का कहना है कि वैगनर चीफ के रूस में विद्रोह करने के पांच दिन बाद येवगेनी प्रिगोझिन ने व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि वैगनर ग्रुप के कमांडर 24 जून के विद्रोह के बाद 29 जून को तीन घंटे की मीटिंग में शामिल हुए थे। पेसकोव ने बताया, उन्होंने कमांडरों के स्पष्टीकरण भी सुने और उनके सामने आगे के विकल्प भी रखे। पेसकोव ने बताया, उन्होंने कहा कि वे देश के मुखिया और कमांडर-इन-चीफ के कट्टर समर्थक और सच्चे सैनिक हैं और यह भी कहा कि वे अपनी मातृभूमि के लिए लड़ाई जारी रखने को तैयार हैं। पुतिन की ओर से प्रिगोझिन को पीठ में छुरा घोंपने वाला गद्दार करार देने के बाद यह बैठक एक आश्चर्यजनक मोड़ है। बताया जा रहा हैं कि खुफिया मीटिंग में पुतिन ने वैगनर चीफ को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को मारने का आदेश दिया। नोबेल पुरस्कार विजेता दिमित्री मुराटोव के मुताबिक खुफिया मीटिंग में माफी के बदले पुतिन ने प्रिगोझिन को जेलेंस्की की हत्या करने की जिम्मेदारी सौंपी होगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि यूक्रेन पर फिर भीषण हमला हो सकता है, क्योंकि पुतिन ने वैगनर के मुखिया को युद्ध लड़ने के लिए कहा है। पेसकोव के अनुसार, इस मीटिंग में 35 लोग शामिल हुए और यह तीन घंटे तक चली। इसमें प्रिगोझिन और प्राइवेट आर्मी के वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए।

तुर्की माना, नाटो का 32वां सदस्य देश बना स्वीडन

–सदस्य देशों ने खुशी जाहिर की

विनियस (एजेंसी)। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने घोषणा की कि तुर्की ने स्वीडन की बोली का समर्थन किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अंकारा के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। स्टोलटेनबर्ग ने कहा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि (तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप) एर्दोगन और स्वीडन के पीएम (उल्फ क्रिस्टर्सन) के साथ बैठक के बाद, राष्ट्रपति एर्दोगन स्वीडन के एक्सेशन प्रोटोकॉल को जल्द से जल्द ग्रैंड नेशनल असेंबली में भेजने और अनुसमर्थन सुनिश्चित करने पर सहमत हुए हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो सभी नाटो सहयोगियों को मजबूत और सुरक्षित बनाता है। यह घोषणा राजधानी विनियस में तुर्की और स्वीडिश नेताओं के बीच वार्ता के बाद हुई, जहां दो दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन आज से शुरू होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की ने पहले स्वीडन के आवेदन को रोक दिया था, उस पर कुर्द आतंकवादियों की मेजबानी करने का आरोप लगाया था। नाटो के 31 सदस्यों में से एक तुर्की के पास समूह में शामिल होने वाले किसी भी नए देश पर वीटो लगाने का अधिकार है। नाटो प्रमुख ने कहा कि तुर्की और स्वीडन ने तुर्की की वैध सुरक्षा चिंताओं को संबोधित किया, इसकारण स्वीडन ने अपने संविधान में संशोधन किया, अपने कानूनों को बदला, पीकेके (कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी) के खिलाफ अपने आतंकवाद विरोधी अभियान का विस्तार किया और तुर्की को हथियारों का निर्यात फिर से शुरू किया। इस घोषणा का कई नाटो सदस्यों ने स्वागत किया।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह अपने तुर्की समकक्ष द्वारा त्वरित अनुसमर्थन के साथ आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया, मैं यूरो-अटलांटिक क्षेत्र में रक्षा और प्रतिरोध बढ़ाने पर राष्ट्रपति एर्दोगन और तुर्की के साथ काम करने के लिए तैयार हूं। मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टरसन और स्वीडन का हमारे 32वें नाटो सहयोगी के रूप में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। जबकि जर्मन विदेश मंत्री एनालेन बेयरबॉक ने ट्वीट किया, 32 साल की उम्र में, हम सभी एक साथ सुरक्षित हैं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि स्वीडन के शामिल होने से हम सभी सुरक्षित हो जाएंगे।

यूरोपीय संघ आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, विल्नियस में एक ऐतिहासिक कदम है। मैं उस महत्वपूर्ण कदम का स्वागत करता हूं जो तुर्किये ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने की पुष्टि करने के लिए उठाने का वादा किया। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के मद्देनजर स्वीडन और उसके पूर्वी पड़ोसी फिनलैंड ने पिछले साल मई में नाटो में शामिल होने की अपनी मंशा की घोषणा की थी। फिनलैंड इस साल अप्रैल में औपचारिक रूप से गठबंधन में शामिल हो गया।

विक्रमसिंघे के आने से पहले विदेश सचिव क्वात्रा पहुंचे कोलंबो, परियोजनाओं का लेंगे जायजा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की आगामी भारत यात्रा की तैयारियों के लिए विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा कोलंबो पहुंच गए हैं। वे वहां पर कई भारतीय परियोजनाओं का जायजा भी लेंगे। मिली जानकारी के अनुसार क्वात्रा सोमवार रात श्रीलंका की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर कोलंबो पहुंचे जहां भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। अधिकारियों ने बताया कि वह कई क्षेत्रों में जारी भारतीय परियोजनाओं का जायजा लेंगे और विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के लिए जमीनी स्तर पर तैयारियां करेंगे। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे 21 जुलाई को भारत की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे और इस दौरान, उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया था कि विक्रमसिंघे भारत के लिए रवाना होने से पहले द्वीप राष्ट्र में बिजली व ऊर्जा, कृषि तथा समुद्री मुद्दों से संबंधित कई भारतीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन को अंतिम रूप देंगे। पिछले वर्ष जुलाई में जनता के विद्रोह के बीच गोटबाया राजपक्षे के सत्ता से बाहर होने और सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे देश का राष्ट्रपति नियुक्त होने के बाद यह विक्रमसिंघे की पहली भारत यात्रा होगी।

बता दें कि विक्रमसिंघे ने भारत के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने पर जोर दिया है और इसे अपनी विदेश नीति का प्रमुख हिस्सा बनाया है। इस साल जनवरी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विक्रमसिंघे को भारत आने का औपचारिक निमंत्रण दिया था। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब श्रीलंका की कमजोर अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। गौरतलब है ?कि विदेशी मुद्रा की भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था। उसे 1948 में ब्रिटिश हुकूमत से आजादी के बाद सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। द्वीप राष्ट्र ने पिछले साल अप्रैल के मध्य में पहली बार कर्ज अदा न कर पाने की घोषणा की थी। इस साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने उसे 2.9 अरब डॉलर का राहत पैकेज दिया था।

पाकिस्तानियों को भा गई गडकरी की बात, भारत में 15 रुपए लीटर मिलेगा पेट्रोल

–मीडिया में लोग दावा कर रहे, यह कोई बड़ी बात नहीं, हिंदुस्तान इसे करके दिखाएगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के लोगों को नितिन गडकरी की बात भा गई है। विदेशी मीडिया में लोग खुलकर भारत की तारीफ करते हुए कह रहे हैं कि यह कोई बड़ी बात नहीं, हिन्दुस्तान इसे करके दिखाएगा। भले ही पाकिस्तान को रूस से तेल मिलने लगा है लेकिन इसके बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें नियंत्रण के बाहर हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 260 और डीजल 200 रुपए प्रति लीटर से भी ज्यादा कीमत पर बिक रहा है। इन सबके बीच जब पिछले दिनों भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में पेट्रोल 15 रुपए प्रति लीटर तक बिक सकता है। तो लोक सकते में आ गए थे, लेकिन गडकरी ने जो कुछ भी कहा वह कैसे संभव होगा, यह बात अलग हैं, लेकिन इतनी सस्ती कीमत पर पेट्रोल मिलने वाले उनके बयान ने पाकिस्तानियों को भी उनका मुरीद बना दिया है। पाकिस्तानी, गडकरी के इस बयान की तारीफ कर रहे हैं और अपने देश की सरकार को उनका उदाहरण दे रहे हैं। गौरतलब है कि भारत के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों एक सभा में कहा था कि अगर 60 फीसदी एथेनॉल और 40 प्रतिशत बिजली का प्रयोग होने लगे तो देश में पेट्रोल का भाव पंद्रह रुपए प्रति लीटर हो जाएगा। गडकरी की इस बात ने भारत ही नहीं बल्कि पड़ोसी पाकिस्तान में भी नागरिकों को हैरान कर दिया। इसी बात को लेकर यू-ट्यूबर सना अमजद ने जब पाकिस्तानी नागरिकों से बात की तो उन्होंने खुलकर गडकरी की तारीफ की। मुल्क में पेट्रोल डीजल की कीमतों में इजाफे के बीच ही सना ने 15 रुपए पेट्रोल वाले बयान पर नागरिकों की प्रतिक्रिया जानी। पाकिस्तान के एक नागरिक शारिक ने इस पर कहा कि यह वाकई तारीफ की बात है।

गीता राव ने वैश्विक महिला मुद्दों के लिए राजदूत के रूप में ली शपथ

–अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने दिलाई पहली भारतीय महिला को शपथ

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय महिला गीता राव गुप्ता को अमेरिका में वैश्विक महिला मुद्दों के लिए राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस तरह से इस पद पर काबिज होने वाली गीता राव पहली भारतीय-अमेरिकी महिला होंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय-अमेरिकी गीता राव गुप्ता ने अमेरिकी विदेश विभाग में वैश्विक महिला मुद्दों के लिए राजदूत-एट-लार्ज के रूप में शपथ ली। वह यह पद संभालने वाली पहली अश्वेत महिला बन गई हैं। इसके साथ ही मई में इस पद के लिए सीनेट में 47 के मुकाबले 51 वोटों से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की गई। उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए, विदेश विभाग ने कहा था कि वह अमेरिकी विदेश नीति के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की प्रशंसा करता है। विदेशी संबंधों पर सीनेट समिति के समक्ष पिछले साल अपनी पुष्टिकरण सुनवाई के दौरान, गुप्ता ने कहा था कि वह एक गौरवान्वित अमेरिकी नागरिक और पहली पीढ़ी की अप्रवासी हैं, जो पेशेवर महिलाओं के परिवार से हैं, इनमें से प्रत्येक ने अपना जीवन अपने समुदायों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है।

विदेश विभाग ने कहा कि अगर आज दुनिया को देखें तो महिलाओं की स्थिति, अगर लैंगिक असमानता संकेतकों को देखें, तो वे दिखाते हैं कि असमानता बढ़ गई है। वहीं गीता राव के अनुसार, महिलाएं अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने में असमर्थ हैं, क्योंकि कई असमानताएं और अपमान उन्हें पीछे खींच रहे हैं। गौरतलब है कि मुंबई में जन्मीं गीता ने पहले संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन में वरिष्ठ फेलो और व्यवस्था परिवर्तन के लिए वैश्विक सहयोगात्मक परोपकार संस्था, को-इम्पैक्ट के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य किया था। संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन में रहते हुए गुप्ता ने लड़कियों, महिलाओं के लिए 3डी कार्यक्रम की स्थापना की, कार्यकारी निदेशक और बाद में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य किया।

लिंग और विकास पर दशकों के अनुभव के साथ, गुप्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वास्थ्य आपातकालीन कार्यक्रम के लिए एक निरीक्षण समिति में भी काम किया है, और विश्व बैंक के वैश्विक लिंग-आधारित हिंसा कार्य बल की सह-अध्यक्षता की है।

वह यूनिसेफ में कार्यक्रम की उप कार्यकारी निदेशक थीं और उससे पहले बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन में वरिष्ठ फेलो थीं। वह कई पुरस्कारों की प्राप्तकर्ता हैं, इनमें उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए इंटरएक्शन का जूलिया टैफ्ट पुरस्कार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय का ऐनी रो पुरस्कार और वाशिंगटन बिजनेस जर्नल का वीमेन हू मीन बिजनेस पुरस्कार शामिल हैं।

14 जुलाई को फ्रांस में बैस्टिल डे परेड मुख्य अतिथि होंगे पीएम मोदी

–पहली बार, भारतीय सैनिक फ्रांसीसी सैनिक के साथ मार्च करेंगे

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जुलाई को फ्रांस के दौरे पर जा रहे हैं। इस बार वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो के आमंत्रण पर फ्रांस जा रहे हैं। यहां पर एलिसी पैलेस में आयोजित होने वाली बैस्टिल डे परेड में वह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने जा रहे हैं। इस साल बैस्टिल डे परेड प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा की प्रतीक भी होगी। 107 वर्षों में पहली बार, भारतीय सेना की एक टुकड़ी बैस्टिल डे परेड के दौरान पेरिस में फ्रांसीसी सैनिकों के साथ मार्च करेगी। यह ऐतिहासिक मौका सैन्य इतिहास में भारतीय सैनिकों के द्वारा प्रदर्शित वीरता और बहादुरी को स्वीकार करने का एक पल होगा।

फ्रांस में बैस्टिल दिवस को फेटे नेशनले फ्रांसेइस या राष्ट्रीय दिवस के तौर पर भी जाना जाता है। 14 जुलाई सन 1789 में हुई फ्रांसीसी क्रांति के दौरान इस दिन बैस्टिल के किले पर हमला हुआ था। इस दिन को उस हमले की याद के तौर पर मनाया जाता है। इस बार मिलिट्री परेड में तीनों भारतीय सेनाओं की 269 सैनिकों वाली टुकड़ी फ्रांस की सेनाओं के साथ मार्च करते हुए दिखाई देगी। भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच प्रथम विश्व युद्ध से ही आपसी संपर्क जारी है। इस युद्ध में लाखों भारतीय सैनिकों ने हिस्सा लिया था। इनमें से करीब 74,000 सैनिकों ने कीचड़ भरी खाइयों में लड़ाई लड़ी थी। ये सैनिक फिर कभी वापस नहीं लौटे। जबकि बाकी 67,000 सैनिक घायल हो गए थे।

भारतीय सैनिक फ्रांस की धरती पर भी बहुत बहादुरी से लड़े थे। उनके साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान से न केवल दुश्मन को विफल कर दिया था, बल्कि उन्होंने युद्ध जीतने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इसके बाद दूसरे विश्व युद्ध में 25 लाख से अधिक भारतीय सैनिकों ने एशिया से लेकर अफ्रीका और यूरोप तक युद्ध के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस साल दोनों देश रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश?न मना रहे हैं। दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यासों में हिस्सा ले रही हैं और अपने-अपने अनुभवों को भी साझा कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत और फ्रांस विश्वसनीय रक्षा भागीदार बन गए हैं। भारतीय सेना की टुकड़ी में 77 मार्चिंग सैनिक और बैंड के 38 सदस्य भी शामिल है। इसका नेतृत्व कैप्टन अमन जगताप कर रहे हैं। भारतीय नौसेना टुकड़ी का नेतृत्व कमांडर व्रत बघेल जबकि भारतीय वायु सेना की टुकड़ी का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी कर रहे हैं। भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमान भी परेड के दौरान फ्लाई पास्ट में भाग ले रहे हैं। सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व पंजाब रेजिमेंट द्वारा किया जा रहा है जो भारतीय सेना की एक सबसे पुरानी रेजिमेंट है। इस रेजिमेंट के सैनिकों ने दोनों विश्व युद्धों के साथ-साथ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आयोजित अनेक ऑपरेशनों में भी भाग लिया है। प्रथम विश्व युद्ध में इन्हें 18 युद्धकतथा थियेटर सम्मान प्रदान किए गए थे। इस रेजिमेंट के वीर सैनिकों ने मेसोपोटामिया, गैलीपोली, फिलिस्तीन, मिस्त्र, चीन, हांगकांग, दमिश्क और फ्रांस में कई लड़ाई लड़ी हैं।

तालिबान ने मस्क के ट्विटर का किया समर्थन, थ्रेड्स को नकारा

नई दिल्ली । तालिबान ने एलन मस्क के ट्विटर का समर्थन किया है, जबकि जुकरबर्ग के थ्रेड्स को नकार दिया है। गौरतलब है कि इंस्टाग्राम पर मार्क जुकरबर्ग द्वारा संचालित थ्रेड्स के मुकाबले एलन मस्क द्वारा संचालित ट्विटर के समर्थन में आए तालिबान ने कहा कि अन्य प्लेटफॉर्म ओरिजनल माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म की जगह नहीं ले सकते। तालिबान नेता अनस हक्कानी ने आधिकारिक तौर पर मेटा थ्रेड्स पर ट्विटर का समर्थन किया, जिसके लॉन्च के एक हफ्ते के भीतर 100 मिलियन से अधिक यूजर हो गए हैं। हक्कानी ने पोस्ट किया कि अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की तुलना में ट्विटर के दो महत्वपूर्ण फायदे हैं। पहला फ्रीडम ऑफ स्पीच और दूसरा ट्विटर का पब्लिक नेचर और विश्वसनीयता। उन्होंने कहा कि ट्विटर के पास मेटा जैसी इन्टोलरेंस पॉलिसी नहीं है। तालिबान के वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि अन्य प्लेटफॉर्म इसकी जगह नहीं ले सकते। एक ट्विटर यूजर ने पोस्ट किया कि यह क्या हो गया है, यहां तक कि तालिबान भी ट्विटर का समर्थन कर रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में मस्क के सत्ता संभालने और इसमें भारी बदलाव करने के बाद से ट्विटर को कई प्रमुख लोग, मशहूर हस्तियां और विज्ञापन ब्रांड नापसंद करने लगे है, लेकिन तालिबान इसे पसंद कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी में मस्क द्वारा 8 डॉलर प्रति माह पर तालिबान के दो अधिकारियों ने ब्लू वेरिफिकेशन चेक मार्क भी खरीदे। तालिबान अपने मैसेज को अपने दर्शकों तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने में आगे रहा है।

बसपा सुप्रीमों मायावती ने बाढ़ में फंसे लोगों के लिए सरकार से मांगी मदद

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए सरकार से मदद मांगी है। गौरतलब है कि इस समय पूरे देश में लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में जन जीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है। पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड होने से कई जगह मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं और मैदानी इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस समस्या से निपटने के लिए बसपा मुखिया मायावती ने सरकार से गुहार लगाई है। मायावती ने चिंता जताते हुए कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों की मदद करे। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यूपी सहित देश के अधिकतर राज्यों में भारी बारिश व बाढ़ के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित है। काफी जान-माल व पशुधन की हानि हुई है। शहरों का बुरा हाल है, किन्तु ग्रामीण इलाकों में लोगों के मकान गिरने व फसल की व्यापक बर्बादी आदि के कारण हालात काफी गंभीर व चिन्ताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे विकट हालात में सभी सम्बधित राज्य सरकारें पीड़ित परिवार वालों की हर प्रकार से मदद के लिए पूरी ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेवारी को निभायें। केन्द्र की सरकार को भी आकलनों व बैठकों आदि से आगे बढ़कर राज्यों की मदद के लिए तत्काल आगे आना ज़रूरी, बीएसपी की यह माँग।

ई-वाहनों की संख्या बढ़ी, न रजिस्ट्रेशन, न चालकों के पास है लाइसेंस

लुधियाना । पर्यावरण को बचाने की दृष्टि से वैकल्पिक ईंधन के कई स्रोतों में से एक है इलेक्ट्रिक वाहन। आजकल इन ई-वाहनों की संख्या काफी बढ़ रही है और कई नामी कंपनियां भी इस दौड़ में आ चुकी हैं। शहर में ई-रिक्शा का चलन भी काफी तेजी से हो रहा है। जहां एक ओर ये ई-रिक्शा पर्यावरण को बचाने का काम कर रहे हैं। वहीं इनका आतंक भी काफी बढ़ रहा है। बेलगाम दौड़ रहे ई-रिक्शा अव्यवस्था के साथ जाम की बड़ी परेशानी का कारण बन रहे हैं। बाजारों में मनमर्जी से रिक्शा रोककर खड़े होने के कारण भी अव्यवस्था हो रही है। शहर में जाम की परेशानी की वजह बने ई-रिक्शा पर आरटीए विभाग और ट्रैफिक पुलिस की लगाम भी ढीली है। इस कारण अवैध ई-रिक्शा की दौड़ बढ़ती जा रही है। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगनी तो दूर की बात है, ई-रिक्शा चालक ना तो रजिस्ट्रेशन करवा रहा है और बड़ी सख्यां में चालकों के पास लाइसेंस भी नहीं है। अधिकांश ई-रिक्शा प्रशासन के रहमोकरम पर बिना रजिस्ट्रेशन के ही चल रहे हैं। कई ऐसे ई रिक्शा चालक हैं, जो 18 से कम उम्र के हैं। उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है। वहीं कई जगह पर ये हादसों का कारण भी बन रहे हैं। गत दिनों चंदर नगर में ई-रिक्शा चालक ने स्कूटर सवार दो महिलाओं और बच्चे को इतनी बुरी तरह से चपेट में लिया था, तीनों बुड्ढे नाले में बाल-बाल गिरते बचे थे। इसके अलावा ई-रिक्शा की चपेट में आने से एक मौत भी हो चुकी है।

फर्रुखाबाद की गौशालाओं में चारा-भूसा नहीं देने से आधा दर्जन से अधिक गोवंश की मौत

फर्रुखाबाद (ईएमएस)। फर्रुखाबाद जिले में सरकारी गौशाला में गायों के मरने का सिलसिला थम नहीं रहा है। हर रोज गौवंश की मौत के मामले सामने आ रहे हैं। गौशालाओं में लगातार हो रही गायों की मौतों के वीडियो वायरल हो रहे हैं। फर्रुखाबाद की गौशालाओं में चारा-भूसा नहीं दिया जा रहा है। आधा दर्जन से अधिक गोवंश भूख-प्यास से तड़प-तड़प कर मौत हो गई है। गौशाला की स्थिति यह है कि यदि चंदा देने वाले लोग चंदा न दें, तो यहां 10 गायों का भी पालन पोषण करना संभव नहीं है। बताया जा रहा है कि सरकार द्वारा गौशाला को जो अनुदान दिया जा रहा है, उससे एक बार के चारे का भी खर्चा नहीं चल सकता है। फर्रुखाबाद के ब्लॉक कमालगंज क्षेत्र के नगर पंचायत कान्हा गौशाला देवरान गढ़िया में गोवंशों की तड़प-तड़प कर मौतें हो रही हैं। तीन दिन पूर्व एसडीएम कायमगंज ने शमशाबाद नगर पंचायत गौशाला का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में पाया गया कि 3 दिन से गोवंशों को चारा व भूसा नहीं मिल रहा था। भूख प्यास से गोवंश बीमार होकर तड़प तड़प कर दम तोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। कमालगंज की नगर पंचायत गौशाला का सोशल मीडिया पर आधा दर्जन गौ वंशों का तड़पते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। कान्हा गौशाला में भूख प्यास से बीमार आधा दर्जन गौवंश जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं। अधिकरियों की सह पर गोपालक गोवंशों का चारा भूसा डकारने में लगे हैं। कान्हा गौशाला में 280 गौवंश थे। बताया जा रहा है कि मौके पर गोवंशों की संख्या 200 से भी कम है।

हरियाणा में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने की तैयारी

-ड्रग तस्करों पर कड़ा शिकंजा कसा जा रहा

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए ड्रग की आपूर्ति और मांग की श्रृंखला को तोड़ने के लिए ड्रग तस्करों पर कड़ा शिकंजा कसाता जा रहा है। प्रदेश में चल रहे नशा मुक्ति केंद्रों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है और जिन केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनियमितताएं पाई जा रही हैं या केंद्रों में नशे की दवाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसतरह के केंद्रों के लाइसेंस रद्द किए जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि ड्रग तस्करी में शामिल आरोपियों की संपत्ति को अटैच करने की विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय को दे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ड्रग ओवरडोज से होने वाली मृत्यु के पोस्टमार्टम से संबंधित विशेष मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, नशा मुक्ति केंद्रों द्वारा नशा पीड़ितों के ईलाज के लिए दवाओं के उपयोग की मात्रा से संबंधित भी एक स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन्स तैयार की जाएं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाल के मार्गदर्शन में जिलों में राहगीरी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन राहगीरी कार्यक्रमों में भी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी शामिल हों और युवाओं को नशे की बुराई के बारे में बताएं। इस प्रकार के कार्यक्रम लोगों को जागरूक करने का अच्छा माध्यम बन रहे हैं। बैठक में बताया गया कि समय-समय पर अधिकारियों द्वारा किए गए नशा मुक्ति केंद्रों के निरीक्षण के परिणामस्वरूप सेवा विभाग द्वारा प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 2 नशा मुक्ति केंद्रों का लाइसेंस रद्द किया गया और संचालकों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। इसके अलावा, 3 अन्य मामलों में कार्रवाई की जा रही है।

बैठक में जानकारी दी गई कि पंचकूला में भी एक नशा मुक्ति केंद्र पर औचक निरीक्षण किया गया था, जहां पर अनियमितताएं पाई गई, जिसमें यह सामने आया कि नशा पीड़ितों के ईलाज के लिए सरकार की ओर से मिलने वाली दवाओं को लेने के लिए मरीजों के फर्जी आधार कार्ड दिखाए गए।

'चंद्रयान-3 की लॉंचिंग पर पीएम मोदी की मौजूदगी पर संशय

-इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अधिक ईंधन एवं कई सुरक्षित उपायों से लैस 'चंद्रयान-3 का शुक्रवार (14 जुलाई) को प्रक्षेपण करने के साथ चंद्रमा पर उतरने का एक और प्रयास करने को तैयार है। इसके लिए चांद पर एक बड़ा 'लैंडिंग स्थल निर्दिष्ट किया गया है। इसरो ने कहा कि इस बार हमने विफलता-आधारित डिजाइन का विकल्प चुना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कुछ चीजें गलत होने पर भी लैंडर चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतर सके। मिशन 'चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्या शामिल होने वाले हैं। इस सवाल पर इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि उन्हें लॉन्चिंग के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन फिलहाल यह कंफर्म नहीं है कि वह इस मौके पर मौजूद रहने वाले हैं या नहीं। इसरो चीफ सोमनाथ ने कहा कि प्रधानमत्री मोदी सहित सभी उच्च अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है, अब वे चंद्रयान-3 मिशन की लॉन्चिंग में शामिल होते हैं, या नहीं हम इस पर कुछ नहीं कह सकते।

बता दें कि इससे पहले साल 2019 में चंद्रयान-2 मिशन के लॉन्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए थे। 22 जुलाई, 2019 को लांच किया गया चंद्रयान-2 सफल नहीं हो सका था और चांद पर लैंड करते ही वह क्रैश कर गया था। उस समय के. सिवान इसरो के अध्यक्ष थे और मिशन के फेल होने पर वे भावुक होकर रो पड़े थे, तब प्रधानमंत्री ने उन्हें संभाला और हौसला बढ़ाया था।

सोमनाथ ने कहा कि हमने बहुत सी विफलताओं को देखा-सेंसर की विफलता, इंजन की विफलता, एल्गोरिदम की विफलता, गणना की विफलता। इसलिए, जो भी विफलता हो, हम चाहते हैं कि यह आवश्यक वेग और निर्दिष्ट मान पर उतरे। इसलिए, अंदर अलग-अलग विफलता परिदृश्यों की गणना और योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया है।

उन्होंने चंद्रयान-2 के लैंडर 'विक्रम के 'सॉफ्ट लैंडिंग करने में असफल रहने का ब्यौरा साझा कर कहा कि जब इसने चंद्रमा की सतह पर 500 मीटर गुणांक 500 मीटर के निर्दिष्ट लैंडिंग स्थल की ओर उतरना शुरू किया, तब इसके वेग को धीमा करने के लिए डिजाइन किए गए इंजनों में उम्मीद से अधिक बल विकसित हो गया। अधिक बल उत्पन्न होने से कुछ ही अवधि में त्रुटियां पैदा हो गईं। इस बार हमने उन सभी विफलताओं से सीखा है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 में ईंधन भी अधिक है, जिससे इसमें यात्रा करने या पथ-विचलन को संभालने या वैकल्पिक लैंडिंग स्थल पर जाने की अधिक क्षमता है।

चिराग पासवान के केंद्रीय मंत्री मंडल में शामिल होने की अटकलें तेज

पटना । इन दिनों चिराग पासवान के केन्द्रीय मंत्री मंडल में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू होने वाला है। इस सत्र से पहले मोदी कैबिनेट विस्तार की भी चर्चा है। यदि चिराग को मंत्री मंडल में शामिल किया जाता है तो उनके चाचा पशुपति पारस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सूत्रों की मानें तो एनडीए में वापसी के लिए चिराग पासवान के साथ बीजेपी की बातचीत महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। माना जा रहा है कि इसीलिए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना में चिराग पासवान से मुलाकात की थी। इस संबन्ध में एलजेपी (रामविलास) के बिहार अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच आम सहमति बनने से पहले चिराग पासवान के बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की संभावना है। लेकिन चिराग के चाचा पशुपति कुमार पारस इस नए समीकरण से मुश्किल में पड़ सकते हैं। उन्होंने जून 2021 में अपने छह लोकसभा सदस्यों में से पांच के साथ एलजेपी को तोड़ दिया था। फिलहाल पशुपति पारस लोकसभा में हाजीपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लेकिन चिराग पासवान ने अपने पिता की परंपरागत सीट पर दावा ठोक दिया है। हालांकि बीजेपी पारस को कैसे एडजस्ट करती है, यह देखना अभी बाकी है। माना जा रहा है कि उन्हें सीएम नीतीश कुमार ने बढ़ावा दिया था, जो उस समय एनडीए में थे और हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चिराग को सबक सिखाना चाहते थे। एक बात और भी चर्चा में हैं कि 2020 के विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों ने नीतीश के कई उम्मीदवारों का वोट काट उन्हें हरवा दिया था। चूंकि नीतीश अब राजद और अन्य के साथ महागठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। साथ ही वो पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ देश में गैर-भाजपा दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए बीजेपी को नीतीश से मुकाबले के लिए बिहार में चिराग जैसे मुखर और युवा नेता की जरूरत है।

सोशल मीडिया वार में भाजपा को पटखनी दे आगे निकाली कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 के लोकसभा चुनावों में एक साल से भी कम समय शेष है, इसके बाद कांग्रेस ने लोगों तक पहुंचने के लिए अपने सोशल मीडिया को सक्रिय कर दिया है। पिछले एक साल में कांग्रेस पार्टी पहुंच के मामले में तकनीक प्रेमी भाजपा को मात देने में सफल रही है। पार्टी नेताओं के मुताबिक, पत्रकार से नेता बनीं सुप्रिया श्रीनेत, जिन्होंने पिछले साल 22 जून को सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म विभाग की कमान संभाली थी, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पार्टी के रुख में जबरदस्त बदलाव लाया है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि श्रीनेत के नेतृत्व में सोशल मीडिया टीम ने पिछले साल जबरदस्त काम किया और वह सत्तारूढ़ भाजपा को हराने में सफल रही, जो ऑनलाइन अभियानों को उच?च स्तर पर ले जाने के लिए जानी जाती है।

पार्टी नेता ने कहा कि फेसबुक पर कांग्रेस की पहुंच पिछले साल जुलाई में 13.78 मिलियन थी, जो मई 2023 में 15.47 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15.91 मिलियन हो गई।इसी तरह, यूट्यूब पर पार्टी को 21.56 मिलियन व्यूज मिलते थे, जो मई 2023 में 139.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बढ़कर 51.71 मिलियन व्यूज हो गए।पार्टी नेता ने कहा कि श्रीनेत के नेतृत्व में कांग्रेस ने इंस्टाग्राम पर व्यापक छाप छोड़ी है, जो युवाओं को जोड़ने के लिए जाना जाता है। पार्टी नेता ने कहा कि पिछले साल जुलाई में इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट 1.45 मिलियन थी, जबकि मई 2023 में यह 1,290.4 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए अब 20.2 मिलियन तक पहुंच गई है। पार्टी नेता ने कहा, पिछले साल जुलाई में ट्विटर पर कांग्रेस का इंप्रेशन 48.3 मिलियन था, जबकि इस साल मई में यह 242.93 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 165.8 मिलियन इंप्रेशन तक पहुंच गया।

पार्टी नेता ने बताया कि कांग्रेस की व्यस्तता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी रही है कि वह अपने पोस्ट की पहुंच और लोगों से जुड़ाव के मामले में भाजपा को बहुत पीछे छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि इस साल 5 जून से 2 जुलाई के बीच, कांग्रेस ने अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर 560 सामग्री साझा की, इसके 6.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं और उसे 20.2 हजार नए पेज लाइक मिले, जबकि भाजपा, जिसके आधिकारिक फेसबुक पेज पर 16 मिलियन पेज लाइक हैं, अपने प्लेटफ़ॉर्म पर 500 सामग्री पोस्ट करने के बावजूद केवल 2.2 हजार लोगों द्वारा एक पेज लाइक प्राप्त किया गया। पार्टी नेता ने कहा कि कांग्रेस यूट्यूब पर बीजेपी को काफी पीछे रखने में सफल रही है। डेटा शेयर करते हुए पार्टी नेता ने कहा कि इस साल जनवरी में कांग्रेस अपने पोस्ट पर 73.6 मिलियन व्यूज हासिल कर पाई, जबकि बीजेपी सिर्फ 6.21 मिलियन व्यूज ही हासिल कर पाई. फरवरी में कांग्रेस के व्यूज घटकर 25.83 मिलियन रह गए, लेकिन वह बीजेपी से काफी पीछे रही, क्योंकि उसे 13.31 मिलियन व्यूज ही हासिल कर पाई इस साल अप्रैल में, भाजपा ने यूट्यूब पर 38.1 मिलियन व्यूज के साथ कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया, जबकि देश की सबसे पुरानी पार्टी को अपने पोस्ट पर 28.88 मिलियन व्यूज मिले। हालांकि, मई में कांग्रेस ने फिर वापसी कर उसके पोस्ट पर 51.61 मिलियन व्यूज मिले, जबकि बीजेपी के यूट्यूब पोस्ट पर 26.6 मिलियन व्यूज मिले। जून में भी

कांग्रेस व्यूज के मामले में बीजेपी से आगे रही, सबसे पुरानी पार्टी को बीजेपी के 17.54 मिलियन व्यूज की तुलना में अपने पोस्ट पर 27.2 मिलियन व्यूज मिले। इस साल जून में यूट्यूब पर कांग्रेस के सब्सक्राइबर्स की संख्या 70 हजार थी, जबकि बीजेपी के सब्सक्राइबर्स की संख्या 60 हजार थी। पार्टी नेता ने कहा कि सोशल मीडिया पर कांग्रेस की पहुंच बढ़ने के पीछे एक मुख्य कारण राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को भी माना जाता है, जिसका इस्तेमाल सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रमुखता से हुआ था। पार्टी नेता ने कहा कि कांग्रेस, जो पहले बीजेपी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देती थी, उसने अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गेम बदल दिया है, क्योंकि वह बीजेपी को अपने पोस्ट पर प्रतिक्रिया देने को मजबूर कर रही है और एजेंडा भी सेट कर रही है। पार्टी नेता ने कहा, पहले, हम बीजेपी के पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते थे, लेकिन अब चीजें बदल गई हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस की पोस्ट पर प्रतिक्रिया करने के लिए मजबूर है और यह सबसे पुरानी पार्टी है, जो जनता के अधिकांश सामान्य मुद्दों पर एजेंडा तय कर रही है।

चुनाव आयोग के पास पार्टी के नाम बदलने का अधिकार नहीं : उद्धव ठाकरे

-दादा केशव ठाकरे के दिए नाम को बदलने पर शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ने दी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए कहा कि वह पार्टी का नाम नहीं बदल सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग किसी पार्टी को कोई चुनाव चिह्न अलॉट कर सकता है, लेकिन उसके पास पार्टी का नाम बदलने का अधिकार नहीं है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के दौरे के समय अमरावती जिले में कहा कि शिवसेना नाम उनके दादा (केशव ठाकरे) ने दिया था और वह किसी को इसे हथियाने नहीं देंगे। देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार का मुकाबला करने के लिए कुछ विपक्षी दलों के एकजुट होने के प्रयासों संबंधी सवाल पर ठाकरे ने कहा कि मैं इसे विपक्षी दलों की एकता नहीं कहूंगा, लेकिन हम सभी देशभक्त हैं और हम लोकतंत्र के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने देश से प्रेम करने वाले लोगों की एकता है। ठाकरे ने यह भी कहा कि देश में (1975-77 में) आपातकाल लागू होने के बावजूद तत्कालीन सरकार ने आम चुनाव में विपक्षी दलों को प्रचार करने की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा, दुर्गा भागवत, पी. एल. देशपांडे जैसे साहित्यकारों ने भी प्रचार किया और जनता पार्टी की सरकार बनी।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं सोचता हूं कि क्या वर्तमान समय में देश में इतनी आजादी है? बता दें कि चुनाव आयोग ने इस साल फरवरी में शिवसेना नाम और उसका पार्टी चिह्न तीर-धनुष महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट को दे दिया था। आयोग ने ठाकरे गुट को शिवसेना (यूबीटी) नाम और मशाल चुनाव चिह्न को बनाए रखने की अनुमति दी, जो उसे राज्य में विधानसभा उपचुनावों के समाप्त होने तक एक अंतरिम आदेश में दिया गया था। शिंदे ने पिछले साल जुलाई में ठाकरे के खिलाफ बगावत कर बीजेपी के साथ गठबंधन किया था और सरकार का गठन किया था। उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर दूसरी पार्टियों में विभाजन कराने का आरोप लगाया।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि बीजेपी ऐसा इसलिए कर रही है क्योंकि उसे अपने दम पर चुनाव जीतने का भरोसा नहीं है। ठाकरे ने बीजेपी के नेतृत्व वाले केंद्र पर चुनावी लाभ के लिए लोगों का ध्यान भटकाने के लिए चुनाव से पहले यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दे उठाने का भी आरोप लगाया। अमरावती में कार्यकर्ताओं से बात करते हुए, ठाकरे ने बीजेपी से पूछा कि जब वह दुनिया में नंबर एक प्रधानमंत्री मोदी को बताती है, तो उसे दूसरे दलों को बांटने की जरूरत क्यों है।

एनसीपी के टूटने से शरद पवार को फर्क नहीं पड़ेगा : उमर अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि एनसीपी के टूटने से महाराष्ट्र में शरद पववार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि वह और मजबूत होंगे। गौरतलब है कि 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की कवायद जारी है। इसी कड़ी में 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्षी एकता की बैठक होने जा रही है। हालांकि, इस बैठक से पहले विपक्ष को तब बड़ा झटका लगा जब महाराष्ट्र में एनसीपी दो गुटों में बंट गई है। इसे बड़ा इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि यह शरद पवार की पार्टी है और वह विपक्ष के बड़े नेता हैं। अब यह बैठक 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में है। इसको लेकर नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का बयान आया है।उमर अब्दुल्ला ने कहा कि एक पार्टी (एनसीपी) टूटी, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पार्टियां पहले भी टूटीं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस टूट गई, क्या उससे पहले विपक्ष की बैठक की जरूरत थी? ये लंबे समय से चलता आ रहा है, चलता रहेगा। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो मुझे नहीं लगता कि शरद पवार अपनी पार्टी टूटने के बाद कमजोर हुए हैं, मुझे लगता है कि वह और मजबूत हो गए हैं। उमर ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह के बयान दिए गए, वो महाराष्ट्र के लोगों को पसंद नहीं आए होंगे।

कांग्रेस ने पीएम मोदी को दी चुनौती, बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी है कि वह सबूतों के आधार पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई करें। कांग्रेस ने कहा है कि दिल्ली पुलिस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उसने भाजपा सांसद और डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छह शीर्ष पहलवानों के आरोपों की पुष्टि की है, इसके बाद कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि यह सरकार के लिए लिटमस टेस्ट है और पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक ट्वीट में कहा कि दिल्ली पुलिस भारत की छह शीर्ष पहलवानों, भारत की बेटियों के शील भंग करना, यौन उत्पीड़न, पीछा करना व आपराधिक धमकीआरोपों की पुष्टि करती है।

सुरजेवाला ने पूछा कि मोदी सरकार का लिटमस टेस्ट, क्या पीएम मोदी बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, क्या नड्डाजी उन्हें अब भाजपा से निकालेंगे? क्या बृज भूषण शरण सिंह अब गिरफ्तार होंगे? सरकार उनको संरक्षण प्रदान करना बंद करेगी?

सुरजेवाला ने एक रिपोर्ट संलग्न करते हुए ट्वीट किया, इसमें आरोप लगाया गया कि सिंह ने छेड़छाड़ की और पीछा किया, और दिल्ली पुलिस के अनुसार, उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है। गौरतलब है कि देश की प्रमुख महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 7 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद बृजभूषण सिंह को तलब किया था। बता दें ?कि अदालत ने छह महिला पहलवानों द्वारा किए गए दावों के मामले में दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लिया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट द्वारा समन जारी किया गया था, इसमें सिंह को 18 जुलाई को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया। इसके अलावा, सिंह के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को भी अदालत ने तलब किया है।

2 अगस्त से धारा 370 पर रोजाना सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय पीठ

-370 हटने को लेकर 20 से अधिक याचिका दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय पीठ जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेश में बांटने के मोदी सरकार के फैसले के खिलाफ 2 अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगी। याचिका में कई अहम कानूनी और संवैधानिक पहलुओं को लेकर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में सुनवाई करेगी। चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत भी शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने केंद्र के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। गौरतलब है कि आर्टिकल 370 खत्म करने के खिलाफ 20 से ज्यादा याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं।

दरअसल 5 अगस्त को केंद्र ने आदेश जारी कर संविधान (जम्मू-कश्मीर अप्लीकेशन) आदेश, 1954 और संविधान के आदेश 2019 में बदलाव कर राज्य से आर्टिकल 370 को हटाने का फैसला किया। मोदी सरकार ने आर्टिकल 367 में एक और क्लाउज (4) जोड़ते हुए साफ किया कि भारत का संविधान जम्मू-कश्मीर में लागू होगा। 6 अगस्त को राष्ट्रपति ने इस बाबत आदेश भी जारी कर दिया। आर्टिकल 370 के आवेदन के तहत आर्टिकल 1 और आर्टिकल 370 ही जम्मू-कश्मीर में लागू होता था। इसके अलावा संविधान का कोई अन्य प्रावधान राज्य में लागू नहीं होता था। इसके लिए आर्टिकल 370 के क्लाउज (1) (डी) राष्ट्रपति को ये शक्तियां देता है कि वहां जम्मू-कश्मीर की सरकार की सहमति से अपनी कार्यकारी शक्तियों को लागू कर सकता है। आर्टिकल 370 की क्लाउज 3 राष्ट्रपति को ये शक्तियां देता है कि ये आर्टिकल तभी लागू होगा जब राज्य की विधानसभा इसकी अनुशंसा करेगी। चूंकि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा वजूद में नहीं है, इस 1957 में ही भंग कर दिया गया था। इसके बाद जबतक नई विधानसभा नहीं चुनी जाती तबतक राष्ट्रपति की शक्तियों पर रोक लग जाती है। आर्टिकल 370 में इसके उद्देश्य का भी जिक्र किया गया था। इसके तहत राज्य सरकार जम्मू-कश्मीर के महाराजा (बाद में इस सदर-ए-रियासत कर दिया गया) मंत्रिमंडल की सलाह से काम करेंगे। लेकिन जम्मू-कश्मीर में उस वक्त कोई सरकार नहीं थी। इसके बाद राष्ट्रपति के पास राज्य के अधिकार को अपने में समाहित करने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। इसका ये मतलब हुआ कि केंद्र के पास ऐसा कोई संविधानिक और कानूनी मैकनिजम नहीं था जो आर्टिकल 370 में बदलाव कर सके। हालांकि, केंद्र सरकार ने आर्टिकल 370 (1) (डी) के तहत राष्ट्रपति की शक्तियों का इस्तेमाल आर्टिकल 367 में बदलाव के लिए किया। इसमें संविधान की व्याख्या की शक्ति दी गई है। इसके बाद राष्ट्रपति शासन के जरिए राज्य के सारे अधिकार संसद के पास आ गए। इसका मतलब ये हुआ कि राष्ट्रपति का शासन जम्मू-कश्मीर में लागू हो गया। इसके साथ ही संसद ने राज्य विधानसभा की जगह ले ली। जम्मू-कश्मीर संविधान सभा की शक्तियां राज्य विधानसभा के पास दी गई, राज्य विधानसभा भंग हो चुकी थी, इस तरह राष्ट्रपति एक तरह अपने ही फैसलों का अनुमोदन खुद ही करते रहे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के सचिन जीआईडीसी में निर्माण स्थल पर बगल की इमारत की दीवार गिरने से चार लोग दब गए

एक की मौत,तीन घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी में एक निर्माण स्थल पर बगल के खाते की दीवार गिरने से चार मजदूर दब गए। घटना की सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग मौके पर पहुंचा। दमकल विभाग ने सबसे पहले एक युवक को बाहर निकाला. जबकि अन्य दो को मामूली चोटें आईं, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जब गंभीर रूप से घायल और कुचले हुए एक युवक को बचाया गया. जानकारी के अनुसार, सचिन जीआईडीसी में सेटेश्वर होटल के पास रोड नंबर 277 पर सचिन डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल का निर्माण कार्य चल रहा है। 15 से ज्यादा मजदूर बेसमेंट में रेत भरने का काम कर रहे थे. इसी दौरान बगल के खाता की 12 से 15 फीट की दीवार ढह गयी. 12 से 15 फीट उंची दीवार गिरने की घटना जानकारी के मुताबिक , सचिन जीआईडीसी में सेटेश्वर होटल के पास रोड नंबर 277 पर सचिन डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल का निर्माण कार्य चल रहा है. 15 से ज्यादा मजदूर बेसमेंट में रेत भरने का काम कर रहे थे. इसी दौरान बगल के खाता की 12 से 15 फीट की दीवार ढह गयी. दीवार गिरते देख मजदूरों में भगदड़ मच गयी और सभी मजदूर भाग गये. हालांकि, भागने की कोशिश में चार मजदूर गिर गए और दीवार सीधे उन पर गिर गई। दीवार गिरने से अफरा-तफरी मच गयी. दमकल विभाग को सूचना दिए जाने के बाद भेस्तान, डिंडोली और सचिन जीआईडीसी दमकल विभाग का काफिला मौके पर पहुंचा. एक अन्य कर्मचारी को अस्पताल ले जाया गया।

अग्निशमन विभाग ने दो मामूली घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। फिर 40 साल के भरत वेलजीभाई बारिया को मलबे से बाहर निकाला गया. हालाँकि, उनका पहले ही निधन हो चुका था। जबकि किरण नाम का एक अन्य कर्मचारी भी फंस गया था, जिसे दमकल विभाग ने बाहर निकाला. वह गंभीर रूप से घायल हो गया. इसलिए उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

पीएसआई डेव को केवल यह पता था कि सामान किसे वितरित करना है

एयरपोर्ट से 25 करोड़ के सोने की तस्करी, 4 जगहों पर छापेमारी

पीएसआई निलंबित, आयकर विभाग भी जांच में शामिल

डीआरआई ने 3 लोगों को हिरासत में लिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

25 करोड़ रुपये के सोना तस्करी मामले में मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए डीआरआई और कस्टम ने 4 जगहों पर छापेमारी शुरू की है। गिरफ्तार किए गए 4 आरोपियों में से पीएसआई पराग दवे डीआरआई के निशाने पर ज्यादा हैं, क्योंकि सोना लेने के बाद किसको जानकारी देनी है, ये वही जानते थे। इस प्रकार, उसने सिम कार्ड तोड़ दिया क्योंकि वह पूरे फॉरवर्ड चैनल के संपर्क में था। ज्यादातर कॉल या मैसेज सोशल मीडिया के जरिए किए गए। यह भी कहा जा रहा है कि किसी मध्यस्थ ने यह सोना भरूच से मंगवाया है. 25 करोड़ के सोने की तस्करी का मामला,

जिसे बाद में एक ज्वैलर को दिया जाना था। जांच के मुताबिक, कैरियर्स को अलग-अलग तरीकों से लुभाया जाता है। कुछ मजबूरी में काम करते हैं तो कुछ मनोरंजन के लिए। उन्हें भी 2-5 प्रतिशत दिया जाता है. इस छापेमारी में अधिकारियों को जानकारी थी कि आरोपी कहां बैठे हैं, इसलिए वे फ्लाइट आते ही सीधे गेट पर पहुंचे और सभी को उठा लिया. कमिश्नर ने पीएसआई दवे को सस्पेंड कर जांच क्राइम ब्रांच डीसीपी रूपल शाह को सौंपी है।

विमान में या एयरपोर्ट पर सोना छिपा होने की आशंका रहती है . एक कस्टम अधिकारी ने बताया कि एयरपोर्ट पर टॉयलेट के अलावा कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां यात्री विमान आने के बाद या चेकिंग सिस्टम में पहुंचने से पहले सोना छुपा सकते हैं. . उदाहरण के तौर पर एयरोब्रिज के पास मोड़ के पास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है. हाल ही में एक मोबाइल कवर में मिला सोना भी इसी तरह लावारिस मिला था। जिस सीट पर यात्री बैठा है, वहां चुंबक या गोंद टेप से सोना लगाया जा सकता है। बाद वाले को किसी कर्मचारी या सफाई कर्मचारी की मदद से बाहर निकाले जाने की संभावना है। सरकार को प्रति किलो 23 लाख रुपए बैगेज नियमों के मुताबिक एयरपोर्ट से आने वाले सोने पर 38 फीसदी तक ड्यूटी लगती है. यानी सरकार को 23 लाख प्रति किलो चूना वसूला गया. बताया गया है कि 100 करोड़ से पहले 25 करोड़ का सोना मिला है, यानी करीब 38 करोड़ की ड्यूटी चोरी है। कस्टम का कहना है कि सोना ज्वैलर्स तक पहुंचता है और बिना किताब दिखाए ही उसका निस्तारण कर दिया जाता है। इस प्रकार 7.5 फीसदी जीएसटी की भी चोरी हुई है. साथ ही कीमत का अंतर भी बच जाता है. तो तस्करों को 3 तरह से नुकसान होता है.

दो बेटियों की हत्या के बाद माता ने किया आत्महत्या का प्रयास,आसपास के लोगों ने बचाया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा, शहर के कारेबाग क्षेत्र में एक महिला ने अपनी दो सगी बेटियों की हत्या करने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हांलाकि आसपास के लोगों ने महिला को बचा लिया और एसएसजी अस्पताल पहुंचा दिया। महिला की जान बच गई है और उसे ऑब्जर्वेशन के तहत रखा गया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के कारेलीबाग क्षेत्र के अक्षता सोसायटी में पिछले 15 दिन पहले किराए पर रहने आई दक्षा चौहाण की शादी मोरबी में हुई थी। संतान में दो बेटियां हैं। पति-पत्नी के बीच मनभेद होने के बाद डिवॉर्स हो गया। जिसके बाद दक्षा वडोदरा के तुलसी वाडी स्थित अपने पिता के घर रहने आ गई थी। पिछले साल दक्षा के पिता की मौत के बाद दक्षा का भाई और भाभी के साथ झगड़ा हुआ। जिसके बाद दक्षा अपनी दोनों बेटियों को लेकर कारेलीबाग क्षेत्र के अक्षता सोसायटी में पिछले 15 दिनों से किराये पर रह रही थी। उसी मकान में दक्षा ने पहले अपनी दोनों बेटियों को खाने में जहर दे दिया। लेकिन उसका कोई असर नहीं होने पर दक्षा ने गला घोंटकर दोनों की हत्या कर दी। जिसके बाद दक्षा पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश कर रही थी। उस वक्त एक महिला ने उसे देख लिया और चीखपुकार कर आसपास के लोगों को बुला लिया। घटनास्थल पर पहुंचे आसपास के लोगों ने दक्षा को बचा लिया और उसे शहर के एसएसजी अस्पताल भेज दिया। पुलिस को घटनास्थल से चार पेज की स्युसाइड नोट मिली है। जिसमें बेटी की फीस 22 हजार और मकान के किराए का उल्लेख है। माना जा रहा है कि आर्थिक संकट से परेशान होकर ने दक्षा चौहाण ने यह कदम उठाया। पुलिस ने कहा कि एफएसएल की मदद से सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांचकी जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि दक्षा चौहाण के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया जाएगा।

भ्रष्टाचार के केस में पूर्व आईएएस और कलेक्टर एसके लांगा माउंट आबू से गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,भ्रष्टाचार के मामले में गुजरात के पूर्व आईएएस एसके लांगा को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसके लांगा पर गांधीनगर के कलेक्टर रहते हुए भ्रष्टाचार किया होने का आरोप है। गांधीनगर में दर्ज इस मामले में एसके लांगा काफी समय से वांटेड थे। इस बीच गांधीनगर पुलिस को सूचना मिली कि एसके लांगा माउंट आबू में है। सूचना के आधार पर हरकत में आई गांधीनगर पुलिस ने एसके लांबा को एसके लांगा को माउंट आबू से गिरफ्तार कर लिया। गांधीनगर पुलिस कल एसके लांगा को कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग कर सकती है। एसके लांगा की गिरफ्तारी से राजस्व विभाग के अधिकारियों में हड़कम्प मच गया है। लांगा की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में अन्य कई अधिकारियों के नाम का खुलासा और उन्हें भी गिरफ्तार किए जाने की संभावना है।

राहुल गांधी की सजा बरकरार रहने पर गुजरात कांग्रेस आज करेगी 'मौन सत्याग्रह धरना'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोदी उपनाम के मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 2 साल की सजा बरकरार रखी है। जिसे लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस कल 12 जुलाई को अहमदाबाद के गांधी आश्रम के सामने 'मौन सत्याग्रह धरना' करेगी। बुधवार को 11.45 बजे होने वाले इस धरना में गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमित चावड़ा, उपनेता शैलेष परमार,एआईसीसी के प्रभारी सचिव, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख, विपक्ष के पूर्व नेता, कांग्रेस के सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बता दें कि 2019 में राहुल गांधी ने कर्नाटक में मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इस मामले में गुजरात भाजपा के विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस किया था। सूरत की अदालत ने इस केस में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है। सूरत कोर्ट के फैसले को राहुल गांधी ने गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन गुजरात हाईकोर्ट से भी राहुल गांधी को कोई राहत नहीं मिली और उनकी दो साल की सजा बरकरार रही।

जीपीएसएसबी के चेयरमैन बने आईएएस अधिकारी कमल दयानी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,गुजरात पंचायत सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (जीपीएसएसबी) के चेयरमैन का चार्ज आईएएस अधिकारी कमल दयानी को सौंपा गया है। फरवरी 2022 से जीपीएसएसबी का अतिरिक्त प्रभार आईएएस एके राकेश संभाल रहे थे। आईएएस अधिकारी एके राकेश को राज्य सरकार ने कृषि विभाग में नियुक्त किया है। जीपीएसएसबी में अब आईएएस अधिकारी कमल दयानी को चेयरमैन नियुक्त किया गया है। दरअसल हेड क्लर्क की परीक्षा का पर्चा लीक होने के 2 महीने बाद बोर्ड के तत्कालीन चेयरमैन असित वोरा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। असित वोरा के इस्तीफे के बाद बोर्ड का अतिरिक्त प्रभार सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दयानी को सौंपा गया था। बता दें कि असित वोरा जब जीपीएसएसबी के चेयरमैन थे तब कई परीक्षाओं के पर्चे लीक हुए थे। उन घटनाओं के बाद विपक्ष ने असित वोरा से बोर्ड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की मांग की थी। पेपर लीक कांड का पर्दाफाश करने वाले विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने भी असित वोरा को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया था। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने गुजरात सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर असित वोरा को जीपीएसएसबी से हटाने की मांग की थी।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री की भाजपा विधायकों और पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आगामी लोकसभा चुनाव के आडे 8-9 महीने बाकी हैं और भाजपा पूरी तरह हरकत में आ गई है। गुजरात समेत देशभर में भाजपा की बैठकों का सिलसिला शुरू हो गया है। बीते दिन पाटन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने वडोदरा में बैठक की थी। आज गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को लेकर मंथन किया गया। बैठक में नारणपुरा, वेजलपुर, साणंद, कलोल, गांधीनगर उत्तर और साबरमती निर्वाचन क्षेत्र के विधायक शामिल हुए। इसके अलावा महानगर पालिका के पदाधिकारी, नगर पार्षद समेत भाजपा नेता भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के विकास कार्यों की समीक्षा की। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान के संदर्भ में भाजपा कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में जो चर्चा हुई है उसकी जानकारी केन्द्रीय गृह मंत्री और गांधीनगर के सांसद अमित शाह को दी जाएगी।